रोहतक
बुधवार 13 मई 2026
ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष,
एकादशी वर्ष : 30, अंक : 98
पृष्ठ 12 मूल्य 3.00

मौसम
अधि. 44.4
न्यून. 21.0

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

7 खिलाड़ियों के हक की लड़ाई में आगे आईं जेसिका

खबर संक्षेप

15 से यूरोप और यूएई समेत पांच देशों का दौरा करेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी 15 मई से 20 मई के बीच संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली की आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे। विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी दी। वह 15 मई को अपनी यात्रा की शुरुआत संयुक्त अरब अमीरात से करेंगे। वहां वे यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से मिलेंगे। दोनों नेता द्विपक्षीय मुद्दों और ऊर्जा सहयोग पर बात करेंगे और दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और आगे बढ़ाने पर चर्चा करेंगे। *एजेंसी*

पूर्व विधायक मिश्रा हत्या मामले में दोषी करार

प्रयागराज। विशेष न्यायाधीश एमपी/एमएलए कोर्ट के जज योगेश कुमार तृतीय ने हत्या मामले में पूर्व विधायक विजय मिश्रा समेत 4 लोगों को दोषी ठहराया है। मिश्रा भदोही जिले के विधायक थे और जेल में बंद हैं। यह हत्याकांड साल 1980 का है, जब प्रयागराज कचहरी परिसर के भीतर ही दिनदहाड़े हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया था। मिश्रा 3 बार सपा और एक बार निषाद पार्टी से विधायक रह चुके। *एजेंसी*

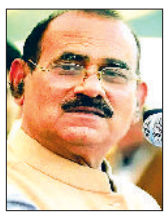

पेपर लीक की जांच केंद्र ने सीबीआई को सौंपी, एफआईआर दर्ज

नीट नहीं रहा क्लीन, परीक्षा रद्द

एनटीए ने माना-हम जिम्मेदार, दोबारा करवाएंगे पेपर

नई दिल्ली (भाषा)। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने तीन मई को आयोजित मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट-यूजी-2026' को इसका प्रश्नपत्र लीक होने के आरोपों के मद्देनजर मंगलवार को रद्द करने की घोषणा की तथा सरकार ने सीबीआई को इन 'अनियमितताओं' की विस्तृत जांच करने का आदेश दिया। एनटीए ने कहा कि यह परीक्षा अलग से अधिसूचित तिथियों पर पुनः आयोजित की जाएगी। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने 'एक्स' पर जारी एक बयान में कहा कि यह निर्णय पारदर्शिता बनाए रखने और राष्ट्रीय परीक्षा प्रणाली में विश्वास को बरकरार रखने के हित में लिया गया है। उसने कहा, 'केंद्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर एनटीए द्वारा तथ्यों को परखे जाने और कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा साझा की गई जांच संबंधी जानकारी के आधार पर राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने तीन मई 2026 को आयोजित नीट (यूजी) 2026 परीक्षा को भारत सरकार की मंजूरी से रद्द करने और परीक्षा को अलग से अधिसूचित तिथियों पर पुनः आयोजित करने का निर्णय लिया है।' एजेंसी ने कहा कि प्राप्त सूचनाओं और कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा साझा किए गए निष्कर्षों के आधार पर यह स्पष्ट हो गया है कि 'वर्तमान परीक्षा प्रक्रिया को जारी रखना उचित नहीं है।' उसने कहा, ''पुनः होने वाली परीक्षा की तिथियां और उनके लिए जारी किये जाने वाले प्रवेश पत्र की समय-सारणी अगले कुछ दिनों में एजेंसी के आधिकारिक माध्यमों से सूचित की जाएगी। एनटीए ने कहा कि सरकार ने परीक्षा से जुड़े आरोपों की व्यापक जांच के लिए मामले को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो को सौंपने का फैसला किया है। उसने कहा, ''एनटीए सीबीआई को पूरा सहयोग देगी और जांच के लिए आवश्यक सभी सामग्री, रिकॉर्ड और सहायता प्रदान करेगी।'

परीक्षा रद्द होने पर एनटीए ने कहा, ''यह निर्णय विद्यार्थियों के हित में और राष्ट्रीय परीक्षा प्रणाली में भरोसे को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।'' एजेंसी ने स्वीकार किया कि परीक्षा को दोबारा आयोजित करने से परीक्षार्थियों और उनके परिवारों को 'वाकई बड़ी असुविधा' होगी। उसने कहा कि लेकिन परीक्षा प्रणाली में विश्वास को 'बड़ी और स्थायी क्षति' से बचाने के लिए यह निर्णय आवश्यक था।

टाइमलाइम से समझें

- नीट का पेपर 'प्रश्न बैंक' के जरिए लीक किया गया। इसमें फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी के 300 से ज्यादा सवाल थे। ये सभी हाथ से लिखे गए और इनकी हैंडराइटिंग भी एक ही थी।

1 मई: केरलम से राजस्थान भेजा प्रश्न बैंक
- केरलम के कॉलेज में एमबीबीएस कर रहे चूरू के एक लड़के ने 'क्वेश्चन बैंक' सीकर में अपने दोस्त को भेजा।

2 मई: राजस्थान में पेपर शेयर हुआ
- दोस्त ने 'क्वेश्चन बैंक' सीकर के एक पीजी संचालक को दिया। उसने पीजी में रहने वाले स्टूडेंट्स को 'क्वेश्चन बैंक' शेयर कर दिया। इसी तरह बंटता चला गया।

3 मई: पीजी संचालक ने पुलिस में शिकायत की
- सीकर के एक पीजी संचालक ने उद्योग नगर थाने और एनटीए को यह शिकायत दी थी कि एक कथित 'क्वेश्चन बैंक' बड़ी संख्या में छात्रों को मिला है।

6-7 मई: पेपर से जुड़ी ऑनलाइन चैट वायरल
- आंसर-की और परीक्षा से जुड़ी चर्चाएं ऑनलाइन सामने आने के बाद छात्रों और कोचिंग सेंटर्स चर्चा शुरू हुई।

7 मई: एनटीए ने गड़बड़ी की बात कही
- एनटीए ने पुष्टि की कि उसे परीक्षा के 4 दिन बाद, यानी 7 मई को कथित गड़बड़ियों से जुड़े इनपुट मिले थे।

8 मई: जांच केंद्रीय एजेंसियों को सौंपी।

10 मई: 13 लोग गिरफ्तार
- राजस्थान पुलिस स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने कहा कि उसने नीट पेपर लीक मामले की जांच शुरू कर दी है। 12 मई तक सीकर और आसपास के इलाकों से 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

22.79 लाख अभ्यर्थियों ने दिया था पेपर

03 मई को देश के 551 शहरों में हुई थी परीक्षा

एक हैंडराइटिंग में लिखे 300+ सवाल, 150 आए

प्रश्न बैंक में फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी के 300 से ज्यादा सवाल थे। इसमें से 150 सवाल हूबहू नीट के पेपर में आए। पेपर में कुल 180 सवाल हल करने होते हैं और प्रत्येक सवाल 4 अंक का होता है। यानी 720 में से 600 नंबर के सवाल सीधे 'क्वेश्चन बैंक' से आए। एक्सपर्ट्स के अनुसार किसी विशेष क्वेश्चन बैंक से परीक्षा में कुछ सवाल हूबहू आने की संभावना रहती है, लेकिन इतनी बड़ी संख्या में प्रश्न आने की संभावना आमतौर पर नहीं होती।

कितने छात्रों को 'प्रश्न बैंक' मिला यह तय नहीं

अब तक यह आंकड़ा तो सामने नहीं आया है कि कथित प्रश्न बैंक' कितने छात्रों तक पहुंचा, लेकिन यह संख्या बड़ी होने की आशंका है। दरअसल, जिन लोगों को ये वॉट्सएप पर यह मिला, उसमें मैसेज के साथ 'फॉरवर्डेड मेनी टाइम्स' लिखा आ रहा है। अब इसके तार केरल, राजस्थान, महाराष्ट्र तक जुड़ रहे हैं। नासिक पुलिस ने बताया कि नीट पेपर लीक मामले में यहां युवक को हिरासत में लिया गया है। राजस्थान पुलिस की एक टीम यहां पहुंचने वाली है। इस बीच, सूत्रों ने दावा किया है कि आरोपी फिलहाल बीएएमएस की पढ़ाई कर रहा है। इसके अलावा, पता चला है कि वह एक मेडिकल काउंसलिंग एजेंसी भी चलाता है।

एनटीए ने उठाए 6 बड़े कदम

- **नेशनल टेस्टिंग एजेंसी दोबारा परीक्षा करवाएगी**
- छात्रों को फिर से आवेदन नहीं करना पड़ेगा
- **परीक्षा के लिए कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा**
- पहले से जमा फीस वापस की जाएगी
- **जल्द नए एडमिट कार्ड के लिए शेड्यूल जारी होगा**
- एग्जाम सेंटर नहीं बदले जाएंगे वहीं होगी परीक्षा जहां पहले दी थी

हरियाणा कनेक्शन भी निकला

दिल्ली-हरियाणा बॉर्डर से डॉक्टर गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गुरुग्राम

नीट यूजी पेपर लीक मामले में अब हरियाणा का लिंक सामने आया है। जांच एजेंसियों के अनुसार, पेपर लीक का नेटवर्क कई राज्यों में फैला हुआ है, इसमें गुरुग्राम का नाम प्रमुख ट्रांजिट पॉइंट के रूप में सामने आया है। जांच रिपोर्टों के अनुसार, नासिक की एक प्रिंटिंग प्रेस से पेपर की फिजिकल कॉपी लीक हुई थी, जिसे गुरुग्राम लाया गया। दावा है कि ये कॉपियां गुरुग्राम में एक डॉक्टर तक भी पहुंचाई गई। गुरुग्राम और आसपास के इलाकों में इस पेपर के कई डुप्लीकेट सेट तैयार किए गए। उधर, दिल्ली पुलिस से जुड़े सूत्रों का कहना है कि पेपर लीक मामले में गुरुग्राम- दिल्ली बॉर्डर से सटे महिपालपुर (दिल्ली) से डॉक्टर अखलाक अहमद को गिरफ्तार किया गया था। अखलाक ने किर्गिस्तान से एमबीबीएस की पढ़ाई की है। अखलाक इस पेपर लीक में क्या रोल है, इसकी जांच की जा रही है।

डुप्लीकेट सेट तैयार किए

KIIT
KALINGA INSTITUTE OF INDUSTRIAL TECHNOLOGY (KIIT)
Deemed to be University
(Established U/S 3 of UGC Act 1956), Bhubaneswar, Odisha, India

• Only 29 Years as an Institute • 24 Years as a Deemed to be University

THE World University Rankings 2026 Asia
1st in Eastern India
169th in Asia

THE World University Rankings 2026
5th Among All Universities in India
501+ Cohort Globally

KIIT Accomplishes QS 5-Star RATED EXCELLENT & QS I-GAUGE PLATINUM
Only University in Eastern India with QS 5-Star & Platinum Ratings

QS WORLD UNIVERSITY RANKINGS 2026
1st in Odisha & 8th in India among pvt. universities

• Best Campus — Outstanding infrastructure & world-class facilities
• Best Placement — Excellent Opportunities & Career Outcomes
• Best Environment & Ambience — Supportive learning environment with a vibrant campus atmosphere
• Student Friendly Campus — Student-centric approach with comprehensive support services
• Parent-Friendly Institution — Transparent communication & parent engagement

ADMISSION OPEN
KIITEE 2026 PHASE - 2
APPLY NOW
through KIIT Websites
www.kiitee.ac.in / www.kiit.ac.in
No Examination Fee (Computer-Based Test)
Scan to Apply
Director Admissions, Admission Cell (Koel Campus), KIIT DU, Bhubaneswar, Odisha, India-751024
admission@kiit.ac.in kiitee.ac.in 8080 735 735

Key Rankings & Achievements
A++ Grade Accredited by NAAC
nirf 2025 17th Among Indian Universities
NBA Tier 1 Re-accredited by NBA
ABET ABET (US) Accreditation
IET Accredited Programme The Institute of Engineering and Technology
Special Consultative Status by the UN-ECOSOC
Partnership with UN VOLUNTEERS

KIIT (Deemed to be University) has only one permanent campus in Bhubaneswar, Odisha. It has no other campus / off campus anywhere else in the country and globe.

हाईकोर्ट का बड़ा आदेश, नियम तोड़ने पर लाइसेंस रद्द करने की चेतावनी

सस्ते पैकेज दिखाकर मरीजों से छिपे शुल्क नहीं वसूल सकेंगे अस्पताल

- चिकित्सा सेवा व्यापार नहीं, भरोसे का क्षेत्र, स्वास्थ्य नीतियों में व्यापार नहीं, करुणा और पारदर्शिता सर्वोपरि होनी चाहिए
- हाईकोर्ट ने हरियाणा स्वास्थ्य विभाग को तीन महीने में जांच पूरी कर कार्रवाई रिपोर्ट देने के निर्देश दिए

- मरीज की भाषा में देनी होगी इलाज की पूरी जानकारी, लागत, पैकेज और संभावित अतिरिक्त खर्च स्पष्ट रूप से समझाना होगा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶| चंडीगढ़

सरकारी पैनल में शामिल अस्पताल अब मरीजों को कम कीमत वाले आकर्षक पैकेज दिखाकर बाद में इलाज के जरूरी हिस्सों के नाम पर अतिरिक्त और छिपे हुए बिल नहीं थमा सकेंगे। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने इस प्रवृत्ति पर कड़ा प्रहार करते हुए स्पष्ट किया कि चिकित्सा सेवा कोई व्यावसायिक जाल नहीं, बल्कि भरोसे और पारदर्शिता का क्षेत्र है। अदालत ने कहा कि मरीजों को प्रारंभिक पैकेज के नाम पर लुभाना और बाद में आवश्यक प्रक्रियाओं को अलग-अलग दिखाकर बिल बढ़ाना न केवल नीति का उल्लंघन है, बल्कि कल्याणकारी राज्य की भावना के भी विपरीत है। जस्टिस हरप्रीत सिंह बराड़ ने अपने विस्तृत आदेश में हरियाणा के स्वास्थ्य महानिदेशक को निर्देश दिया कि राज्य के सभी पैनल अस्पतालों की पैकेज दरों की व्यक्तिगत रूप से अथवा संबंधित सिविल सर्जन के माध्यम से जांच कराई जाए। यदि कोई अस्पताल नीति के विरुद्ध जाकर मरीजों से अनुचित वसूली करता पाया जाता है, तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए, जिसमें लाइसेंस रद्द करना भी शामिल हो सकता है। अदालत ने पूरी प्रक्रिया तीन महीने में पूरी कर अनुपालन रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया है। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि कोई चिकित्सा प्रक्रिया जीवन बचाने के लिए आवश्यक और आपातकालीन थी, तो उसका खर्च प्रतिपूर्ति योग्य होगा। राज्य यह कहकर जिम्मेदारी से नहीं बच सकता कि मरीज ने पारंपरिक प्रक्रिया नहीं अपनाई। कोर्ट ने कहा कि चिकित्सा नीति में करुणा सर्वोपरि होनी चाहिए, व्यापारिक लाभ नहीं। अपने आदेश के अंत में हाई कोर्ट ने महत्वपूर्ण टिप्पणी की कि चिकित्सा और चिकित्सकीय सहायता एक "उदात्त क्षेत्र" है, इसलिए राज्य की नीतियों में भी वही उदात्तता दिखाई देनी चाहिए। यदि नीति में करुणा की जगह व्यापार हावी हो जाए, तो वह कल्याणकारी नीति नहीं रह जाती। यह फैसला अब मरीजों के अधिकार, पारदर्शी स्वास्थ्य व्यवस्था और अस्पतालों की जवाबदेही को लेकर एक बड़ी न्यायिक चेतावनी माना जा रहा है।

केवल छपे फॉर्म पर हस्ताक्षर करवाना गलत

हाई कोर्ट ने विशेष रूप से इस बात पर चिंता जताई कि कई अस्पताल मरीजों या उनके परिजनों से बिना समुचित जानकारी दिए केवल छपे हुए फॉर्म पर हस्ताक्षर करवा लेते हैं। अदालत ने कहा कि इलाज की लागत, पैकेज में शामिल सुविधाएं और संभावित अतिरिक्त प्रक्रियाओं की जानकारी मरीज या उसके परिजन को उनकी समझ की भाषा में स्पष्ट रूप से दी जानी चाहिए। केवल औपचारिक हस्ताक्षर लेकर जिम्मेदारी पूरी मान लेना स्वीकार्य नहीं होगा। जस्टिस बराड़ ने अपने आदेश में दोटूक कहा कि "इलाज की लागत मरीज या उसके निकट संबंधी को ऐसी भाषा में समझाई जाए, जिसे वे समझते हों। केवल साइक्लोस्टाइल्ड प्रोफॉर्मा पर हस्ताक्षर करवाने की प्रथा पर्याप्त नहीं है। मरीजों को पहले कम पैकेज दिखाकर आकर्षित करना और बाद में उपचार के आवश्यक हिस्सों के लिए अलग से शुल्क वसूलना किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

पैरा एथलीट विनोद कुमार को नहीं मिलेगा विनेश फोगाट जैसा लाभ

हाईकोर्ट ने 4 करोड़ की मांग ठुकराई

चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने पैरा एथलीट विनोद कुमार की वह याचिका खारिज कर दी, जिसमें उन्होंने पहलवान विनेश फोगाट की तरह चार करोड़ रुपये और अन्य वित्तीय लाभ देने की मांग की थी। कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि वर्ष 2024 की घटनाओं के आधार पर वर्ष 2020 के मामले में समानता का दावा नहीं किया जा सकता। जस्टिस जगमोहन बंसल ने कहा कि यदि ऐसी मांगों को स्वीकार किया गया तो भविष्य में हर खिलाड़ी बाद की नीतियों और बढ़ी हुई पुरस्कार राशियों के आधार पर समान लाभ मांगने लगेगा, जिससे सरकारी नीतियों का संचालन कठिन हो जाएगा। याचिका में विनोद कुमार ने बताया कि उन्होंने टोक्यो पैरालंपिक 2020 में एफ-52 श्रेणी में कांस्य पदक जीता था, लेकिन बाद में विशेषज्ञ समिति ने उन्हें अयोग्य घोषित कर पदक वापस ले लिया।

कालेज कैडर असिस्टेंट प्रोफेसर 'अंग्रेजी' भर्ती रद्द

चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने हरियाणा सरकार और एचपीएससी द्वारा असिस्टेंट प्रोफेसर (अंग्रेजी) भर्ती प्रक्रिया को यूजीसी नियमों के खिलाफ मानते हुए बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने 2 अगस्त 2024 के विज्ञापन संख्या 48/2024 के तहत की जा रही चयन प्रक्रिया को रद्द कर दिया।जस्टिस त्रिभुवन दहिया की एकलपीठ ने कहा कि यूजीसी 2018 रेगुलेशन के अनुसार चयन प्रक्रिया में अकादमिक स्कोर आधारित शॉर्टलिस्टिंग और इंटरव्यू अनिवार्य है, लेकिन हरियाणा ने स्क्रीनिंग टेस्ट और सब्जेक्ट नॉलेज टेस्ट जोड़कर मूल ढांचे में बदलाव किया, जो नियमों के विपरीत है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार यूजीसी के न्यूनतम मानकों में बदलाव नहीं कर सकती। इस फैसले से स्क्रीनिंग और सब्जेक्ट टेस्ट पास कर चुके अभ्यर्थियों को बड़ा झटका लगा है।

एचईपीबी बैठक में बड़े निवेश को मंजूरी

ड्रोन, बैटरी और ऑटो सेक्टर में बढ़ेंगे रोजगार

- झज्जर, हिसार, सोनीपत, नूंह समेत कई जिलों में नई फैक्ट्रियों की स्थापना
- एटीएल बैटरी टेक्नोलॉजी परियोजना को समय विस्तार की मंजूरी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶| चंडीगढ़

हरियाणा उद्यम प्रोत्साहन बोर्ड (एचईपीबी) की 19वीं बैठक सोमवार को देर सांय चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश में औद्योगिक निवेश, विनिर्माण क्षमता तथा रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न औद्योगिक इकाइयों को विशेष प्रोत्साहन पैकेज एवं अन्य राहत प्रदान करने संबंधी महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में स्वीकृत विभिन्न परियोजनाओं से राज्य में बड़े पैमाने पर निवेश के साथ स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होने की संभावना है। परियोजनाओं के लिए विशेष प्रोत्साहन पैकेज को मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव की अध्यक्षता में कार्यकारी अधिकार प्राप्त समिति (ईईसी) की सिफारिशों के आधार पर एचईपीबी द्वारा अनुमोदित किया गया। बैठक में बीईयूएमईआर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को हरियाणा उद्यम एवं रोजगार नीति-2020 के अंतर्गत 43.05 करोड़ रुपये के विशेष प्रोत्साहन पैकेज की स्वीकृति प्रदान की गई। कंपनी झज्जर जिले में अत्याधुनिक इंट्रालॉजिस्टिक्स सिस्टम मैन्युफैक्चरिंग सुविधा स्थापित करेगी, जिससे आधुनिक औद्योगिक अवसंरचना के साथ हरियाणा के 138 युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। इसी प्रकार, एआईटीएमसी वेंचर्स लिमिटेड को हरियाणा उद्यम एवं रोजगार नीति-2020 के अंतर्गत 58.51 करोड़ रुपये के विशेष प्रोत्साहन पैकेज की स्वीकृति प्रदान की गई। कंपनी हिसार जिले में ड्रोन एवं ड्रोन कंपोनेंट्स मैन्युफैक्चरिंग हब स्थापित करेगी, जिससे रक्षा एवं एयरोस्पेस विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा तथा हरियाणा के 800 युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। बैठक में अभ्युदय प्रिंट इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड को हरियाणा उद्यम एवं रोजगार नीति-2020 के अंतर्गत 31.68 करोड़ रुपये के विशेष प्रोत्साहन पैकेज की स्वीकृति प्रदान की गई।

दिशा की बैठक में मंत्री गुर्जर नगर निगम अधिकारियों से बोले

फरीदाबाद में भ्रष्टाचार किया तो हथकड़ी लगवा दूंगा, तुम्हें कीड़े पड़ेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फरीदाबाद

केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने नगर निगम के चीफ इंजीनियर, एक्सइन समेत कई अधिकारियों को जमकर लताड़ लगाई। गुर्जर ने कहा कि यहां से चले जाओ, नहीं तो हथकड़ियां लगवा दूंगा तुम्हें कीड़े पड़ेंगे। अधिकारियों ने लूट का अड्डा बनाया हुआ है। दिशा की मीटिंग में मौजूद विधायक मूलचंद शर्मा ने इन अधिकारियों से कहा कि निगम में भ्रष्टाचार कर रखा है, तुम्हारे बाप का पैसा नहीं है। कमिश्नर साहब इन्हें हिंदी में समझा दीजिए। दरअसल, कृष्णपाल गुर्जर को नगर निगम में भ्रष्टाचार की शिकायत मिल रही थी। इसी को लेकर मंगलवार को निगम के अधिकारियों के साथ बैठक की। मीटिंग में मंत्री ने कहा कि शहर को अधिकारियों ने लूट का अड्डा बना रखा है। ठेकेदारों के जरिए निगम के पैसे की बंदरबांट हो रही है। इंटरलॉकिंग टाइल और सीवर ढक्कनों में लगातार घटिया क्वालिटी की सामग्री इस्तेमाल होने की शिकायत मिल रही है। गुर्जर आज सेक्टर-12 में जिला फरीदाबाद में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए विभिन्न एजेंडों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। इसमें योजनाओं के बजट व्यय, लाभार्थियों तक पहुंच, जमीनी प्रभाव और पारदर्शिता को प्रमुखता से लिया गया। कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि निगम में पेड़ो के नाम पर लाखों के बिल बनाए जा रहे हैं, लेकिन जमीन पर कोई पेड़ नही मिलता है। यहां से 10-10 करोड़ रुपये के पेड़ गायब है। माल ये लोग खाते हैं, बदनामी हमारी होती है।

50 शैलो ट्यूबवेल के लिए 621.90 लाख मंजूर

- नूंह जिले के जलभराव प्रभावित गांवों को मिलेगा बड़ा लाभ
- हजारों एकड़ भूमि फिर होगी खेती योग्य,भूजल विकास एवं सिंचाई व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में सरकार का महत्वपूर्ण कदम

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶| चंडीगढ़

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सिंचाई व्यवस्था और भूजल संसाधनों के विकास को बढ़ावा देने के लिए बड़ा निर्णय लेते हुए गुरुग्राम कैनाल/राजस्थान लिंक कैनाल के साथ 50 शैलो ट्यूबवेल लगाने हेतु 621.90 लाख रुपये की प्रशासनिक मंजूरी प्रदान की है। यह परियोजना "ग्राउंड वॉटर डेवलपमेंट एवं अन्य संबंधित गतिविधियां" योजना के तहत क्रियान्वित की जाएगी, जिसकी निगरानी वाईडब्ल्यूएस फरीदाबाद के चीफ इंजीनियर व अधीक्षण अभियंता द्वारा की जाएगी। इस योजना से नूंह जिले के 15 से अधिक जलभराव प्रभावित गांवों को राहत मिलेगी, जहां लंबे समय से खेतों में पानी भरने के कारण हजारों एकड़ भूमि अनुपयोगी बनी हुई थी। ट्यूबवेलों के माध्यम से अतिरिक्त पानी की निकासी होगी, जिससे जलभराव कम होगा और भूमि फिर से खेती योग्य बनेगी। इससे किसानों को राहत मिलने के साथ उनकी आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी।

14 मई को 13 जिलों में होगी राज्यव्यापी बाढ़ मॉक ड्रिल

- बाढ़ जैसी आपदा से निपटने के लिए सिस्टम, संसाधनों और सामुदायिक भागीदारी को किया जाएगा मजबूत

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार द्वारा 14 मई को बाढ़ संभावित 13 जिलों में एक साथ बड़े पैमाने पर राज्य स्तरीय बाढ़ मॉक ड्रिल आयोजित की जाएगी। नेशनल डिज़ास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी के सहयोग से आयोजित यह अभ्यास राज्य का अब तक का सबसे बडा आपदा तैयारी अभ्यासों में से एक माना जा रहा है। यह व्यापक अभ्यास 2023 और 2025 में आई बाढ़ से मिले अनुभवों के आधार पर राज्य की आपदा प्रबंधन क्षमता को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसका उद्देश्य विभिन्न विभागों, एजेंसियों और समुदायों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर आपदा की स्थिति में त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करना है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की वित्तायुक्त डॉ. सुमिता मिश्रा ने मॉक ड्रिल से पहले आयोजित टेबल टॉप एक्सरसाइज़ और ओरिएंटेशन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार अब केवल आपदा आने के बाद प्रतिक्रिया देने के बजाय पहले से तैयारी और रोकथाम पर विशेष ध्यान दे रही है। हरियाणा की भविष्य में बाढ़ जैसी आपात स्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने की क्षमता को मजबूत करने की एक व्यावहारिक पहल है।

हड़ताली सफाई कर्मचारियों के साथ आज हो सकती है वार्ता

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶| चंडीगढ़

प्रदेश में सफाई कर्मचारियों की हड़ताल से हालात बिगड़ने लगे हैं। सड़कों पर 12 हजार टन से अधिक कचरा पड़ा हुआ है। शहरों में स्वच्छ सर्वेक्षण का कार्य अटक गया है। हालात बिगड़ने पर अब सरकार की नींद टूटी है। अब बुधवार को चंडीगढ़ में सुबह 11 बजे हड़ताली कर्मचारियों के साथ बैठक होगी। नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्य प्रधान नरेश शास्त्री ने बताया कि शहरी स्थानीय निकाय निदेशालय के अधिकारियों ने वार्ता का समय तय किया है। चंडीगढ़ स्थित हरियाणा निवास में होने वाली इस बैठक में निकाय मंत्री विपुल गोयल भी शामिल रहेंगे। शास्त्री ने कहा कि हड़ताल दमकल कर्मियों की मांगें मानने पर ही समाप्त होगी। निकाय के सफाई कर्मचारियों की जो भी लंबित मांगें हैं उन्हें पूरा करना होगा। शहरी स्थानीय निकाय निदेशालय के आयुक्त एवं सचिव अशोक मीणा ने बताया कि हरियाणा नगर पालिका कर्मचारी संघ के साथ वार्ता के लिए बुधवार का समय निर्धारित किया है। उम्मीद है कि निकाय मंत्री की मौजूदगी में होने वाली इस बैठक में सकारात्मक परिणाम आएंगे। वहीं दूसरी तरफ निकायों के सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के समर्थन में करीब 10500 ग्रामीण सफाई कर्मी भी आ गए हैं।

एसिड अटैक पीड़ित, विधवा, स्वयं सहायता समूह व एकल माताओं को प्राथमिकता

प्रदेश में 4 हजार नए राशन डिपो जल्द, 33% महिलाओं को मिलेगा रोजगार का अवसर

- महिला आवेदक के लिए 12वीं पास, कंप्यूटर ज्ञान व 21–45 वर्ष आयु सीमा अनिवार्य
- चयन 'रोस्टर सिस्टम' व सरल पोर्टल के जरिए ऑनलाइन पारदर्शी प्रक्रिया से होगा

योगेंद्र शर्मा ▶▶| चंडीगढ़

नायब सैनी सरकार अपनी घोषणा के अनुरूप जल्द ही प्रदेश में 4,000 नए राशन डिपो आवंटित करने की तैयारी में है, जिनमें से 33 प्रतिशत डिपो महिलाओं को दिए जाएंगे। इससे महिलाओं को रोजगार के साथ-साथ आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिलेगा। खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री राजेश नागर ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि इस संबंध में विभागीय प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। उन्होंने गैस सिलेंडर ब्लैक (कालाबाजारी) की खबरों का खंडन करते हुए इसे विपक्ष द्वारा फैलाई गई अफवाह बताया और कहा कि इस तरह की गतिविधियों में शामिल किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। मंत्री ने बताया कि 4 हजार नए राशन डिपो का प्रस्ताव तैयार है और जल्द ही आवंटन प्रक्रिया शुरू की जाएगी। 33 प्रतिशत आरक्षण के तहत महिलाओं को डिपो दिए जाएंगे, जिससे उनका आर्थिक सशक्तिकरण सुनिश्चित होगा। सरकार ने राशन डिपो (उचित मूल्य की दुकानों) के लाइसेंस आवंटन में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण को मंजूरी दी है। इसका उद्देश्य सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना है। नए नियमों के अनुसार, हर ब्लॉक में रोस्टर प्रणाली लागू होगी, जिसमें हर तीसरी रिक्ति महिला के लिए आरक्षित होगी।

300 की बजाय 500 राशन कार्डों पर नया डिपो लाइसेंस

एसिड अटैक पीड़ित, विधवा, तलाकशुदा, एकल माताएं और स्वयं सहायता समूहों को प्राथमिकता दी जाएगी। महिला आवेदक के लिए 12वीं पास होना, कंप्यूटर ज्ञान और आयु 21 से 45 वर्ष निर्धारित की गई है। आवेदक को संबंधित क्षेत्र का निवासी होना और परिवार पहचान पत्र आवश्यक होगा। नए प्रावधानों के तहत अब एक डिपो 300 की बजाय 500 राशन कार्डों पर आवंटित होगा। अच्छे प्रदर्शन करने वाले डिपो संचालक 65 वर्ष तक कार्य कर सकेंगे और लाइसेंस 5 साल तक बढ़ाया जा सकेगा।

कार्यालय पुलिस अधीक्षक, फतेहाबाद

गुमशुदा की तलाश

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है मनदीप पुत्र बलजीत निवासी गाँव गोरखपुर, थाना भूना, जिला फतेहाबाद, दिनांक 18.12.2025 को अपने घर से बिना बताए कहीं चला गया है। परिजनों व पुलिस द्वारा अब तक की गई तलाश के बावजूद उनका कोई सुराग नहीं मिल पाया है।

गुमशुदा लडके का हुलिया निम्नलिखित है:
नामः मनदीप
उम्रः लगभग 25 वर्ष
कदः लगभग 5 फीट 7 इंच
रंगः गेहुआ
चेहराः गोल
पहनावाः सफेद रंग की पैन्ट-शर्ट व पैरों में जूते पहने हुए है।

जिस किसी सज्जन को उपरोक्त लडके के संबंध में कोई सूचना प्राप्त हो, वह कृपया तुरंत नीचे दिए गए संपर्क सूत्रों पर सूचित करें:
संपर्क करें:
थाना भुना
मोबाइल नं.:
प्रबन्धक अफसर थाना भुना
88140-11710, अनुसंधान कर्ता 9416529929
या नजदीकी पुलिस स्टेशन में जानकारी दें।
आपकी दी गई सूचना गुप्त रखी जाएगी।
पीआरडीएच-1084/11/4800/2027/45077/88/6 दि. 12.05.2026

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **राहुल** पुत्र धरमबीर निवासी मकान संख्या 922, नांगल कलां, थाना कुंडली, सोनीपत, हरियाणा ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 203/2023 धारा 498ए/406/34 भा.दं.सं., थाना बवाना, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **राहुल** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रुप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **राहुल** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा **धारा 82 Cr. P.C.** की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 203/2023 धारा 498ए/406/34 भा.दं.सं., थाना बवाना, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **राहुल** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **21.07.2026** को हाजिर हो।

आदेशानुसारः सुश्री सान्या दलाल,
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी,
उत्तर महिला न्यायालय-01,
कमरा संख्या 102, प्रथम मंजिल,
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली।
DP/6194/ON/2026

महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक

(हरियाणा अधिनियम सं. XXV ऑफ 1975 के तहत स्थापित)
एनएएसी द्वारा प्रमाणित 'ए+' ग्रेड विश्वविद्यालय

शैक्षणिक वर्ष 2026-27 हेतु प्रवेश सूचना

(विज्ञा. सं. पीआर-03 ऑफ 2026)

शैक्षणिक सत्र 2026-27 हेतु विश्वविद्यालय अध्यापन विभागों/संस्थानों/ केन्द्रों, म.द. विश्वविद्यालय, रोहतक और एमडीयू-सीपीएएस, गुरुग्राम द्वारा संचालित किए जा रहे भारतीय और विदेशी नागरिकों के लिए 4-वर्षीय अंडर-ग्रेजुएट प्रोग्राम्स (एनईपी-2020 के अनुरूप), 5-वर्षीय एकीकृत प्रोग्राम्स, 5-वर्षीय एलएल.बी. प्रोग्राम और 4-वर्षीय एकीकृत अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम (आईटीईपी) के लिए प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

ऑनलाइन पंजीकरण और आवेदन जमा हेतु पोर्टल का खुलना : 11.05.2026
भारतीय नागरिकों के लिए आवेदन प्रपत्र जमा हेतु अन्तिम तिथि : 26.05.2026
विदेशी नागरिकों के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रपत्र जमा हेतु अन्तिम तिथि : 20.06.2026

पात्रता शर्तों, सीटों की संख्या, शुल्क और अन्य विवरण हेतु, कृपया विश्वविद्यालय वेबसाइट अर्थात www.mdu.ac.in पर उपलब्ध 2026-27 की विवरणिका ध्यानपूर्वक पढ़ें।

परिवर्तन/अद्यतन, यदि कोई हो, विश्वविद्यालय वेबसाइट पर अधिसूचित किये जाएंगे।

संवाद-1235/11/172/2027/45084/सी/88/6 दि. 12.05.26 **रजिस्ट्रार**

नीलामी सूचना

सर्व साधाराण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 19.05.2025 को जिला कारागार रोहतक के बंदियो द्वारा बचाई गई रोटियों सब्जी तथा दाल को उठाने के लिए ठेके पर देने हेतू ई-आक्शन के माध्यम से बोली करवाई जाएगी जिसके लिए आप अपना आवेदन **eauction.gov.in** पर जाकर कर दिनांक 12.05.2026 से दिनांक 17.05.2026 तक कर सकते हैं। टैंडर के सम्बंध मे कोई भी बोली दाता ई-आक्शन पर जाकर उपरोक्त टैण्डर को एक वर्ष 01.06.2026 से 31.05.2027 तक ले सकते हैं।

टैंडर की शर्तें निम्नलिखित है।

1. स्वीकृत ठेकेदार को बची हुई रोटियो व दाल सब्जी सप्ताह में दो बार जरूर उठानी होंगी।
2. स्वीकृत ठेकेदार की अवधि एक वर्ष के लिए होगी।
3. नीलामी में भाग लेने के लिए बोलीदाता को 50000 (पचास हजार रूपए) धरोहर राशि जमा करवानी होगी।
4. अधीक्षक जिला कारागार रोहतक के पास बोली स्वीकृत एवं अस्वीकृत करने का अधिकार होगा व इस कार्य में उत्पन्न किसी भी प्रकार के विवाद का निपटारा स्थानीय न्यायालय में होगा।
5. ठेकेदार जेल के अन्दर किसी भी बंदी से किसी प्रकार का लेनदेन या व्यवहार नही करेगा और ना ही किसी प्रकार का ऐसा कार्य करेगा जो जेल नियमों के विरूद्ध हो। ऐसा करने पर उसे नियमों के अनुसार दण्डित किया जा सकता है।
6. रोटी व दाल सब्जी उठाने के लिए स्वीकृत ठेकेदार को अपने वाहन का प्रयोग करना पड़ेगा।
7. यदि स्वीकृत ठेकेदार उपरोक्त शर्तों को तोड़ता है तो इसकी धरोहर राशि जब्त करके ठेके को समाप्त कर दिया जाएगा।

पीआरडीएच-1277/11/112/2027/45076/88/6 दि. 12.05.26

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना संख्या–ETrU-T-02-2026-27

वरि. मंडल विद्युत अभियंता/क.वि./उत्तर रेलवे, अम्बाला छावनी द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए ई–टेंडरिंग के माध्यम से निविदायें आमंत्रित करते हैं। इन निविदाओं को प्रत्येक कार्य के आगे दर्शाई गई तिथि को 15:00 बजे तक www.ireps.gov.in पर अपलोड किया जा सकता। इनको 15:00 बजे के उपरांत तत्काल खोला जायेगा।

क्र. सं.	निविदा संख्या	कार्य का विवरण	निविदा बंद/खुलने की तिथि	लगभग लागत	धरोहर राशि	कार्य पूरा करने की अवधि	वैधता अवधि	टेण्डर फॉर्म की कीमत
1	ETrU-T-02-2026-27	25 केवी एसी 50 हर्ट्स ओएचई का डिजाइन, आपूर्ति, परीक्षण और कमीशनिंग के संबंध में अंबाला मंडल में 20000 से अधिक टीवीयू वाले मानवयुक्त गैर–इंटरलॉक्ड 23 एल–जिंग गेटों की इंटरलॉकिंग हेतु कार्य।	03.06.2026	₹ 3,50,52,121.22/-	₹ 7,01,100/-	09 महीने	60 दिन	Downloading through IREPS portal -NIL, (₹ 10,000/– Sr.DEE/TRD/UMB ऑफिस से हार्ड कॉपी के लिए)

1. निविदाकार को सभी जरुरी योग्यता दस्तावेज एवं PAN/GSTIN की Scanned Copies IREPS पोर्टल पर अपलोड करनी है। 2. निविदाकार के पास ई–निविदा में भाग लेने के लिए क्लास-III Digital Signature Certificate होनी चाहिए। 3. कार्य में GST, BOCWW, Income Tax एवं नियमानुसार आवश्यक टैक्स लागू होंगे। 4. कार्य में सिमिलर नेचर कंडीशन लागु हैं एवं इस प्रकार है: "Design, supply, erection, testing & commissioning of 50Hz, single phase 25 KV AC OHE". 5. टेंडर डॉक्यूमेंट एवं निविदा सूचना की विस्तृत जानकारी के लिए रेलवे वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाये। संख्या:. ETrU-T-02-2026-27 दिनांक: 12.05.2026 1584/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

रोहतक, बुधवार 13 मई 2026

अहंकार का त्याग

घमंड ज्ञान का सबसे बड़ा दुश्मन है। एक झटके में दौलत और एक गलती में इज्जत खत्म हो सकती है।
- अज्ञात

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

7 धीमी ओवर गति पर अक्षर पर गिरी गाज, लगा 12 लाख का जुर्माना

खबर संक्षेप

सीएम विजय ने ज्योतिषी को बनाया अपना ओएसडी

चेन्नई। तमिलनाडु में थलपति विजय की अगुवाई वाली तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) सरकार ने एक महत्वपूर्ण राजनीतिक नियुक्ति करते हुए अपने करीबी सहयोगी, ज्योतिषी और पार्टी प्रवक्ता रिकी राधन पंडित वेट्रिवेल को मुख्यमंत्री का विशेष राजनीतिक अधिकारी नियुक्त किया है। राजनीतिक गलियारे में इस फैसले की काफी चर्चाएं हो रही हैं। *एजेंसी*

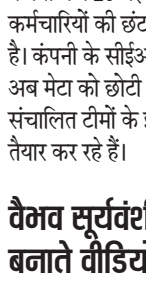

मेटा में एआई के कारण 8 हजार कर्मियों की छंटनी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण दुनिया में भू-राजनीतिक तनाव चरम पर है। वहीं, दूसरी ओर दुनिया के टेक जगत में एआई के कारण नौकरियां जाने का सिलसिला भी शुरू हो चुका है। फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा 20 मई को अपने 8,000 कर्मचारियों की छंटनी करने जा रही है। कंपनी के सीईओ मार्क जुकरबर्ग अब मेटा को छोटी और एआई-संचालित टीमों के इर्द-गिर्द फिर से तैयार कर रहे हैं। *एजेंसी*

वैभव सूर्यवंशी का रोटी बनाते वीडियो वायरल

नई दिल्ली। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से गेंदबाजों के छक्के छुड़ाने वाले वैभव सूर्यवंशी इन दिनों अपने मजाकिया अंदाज के लिए सुर्खियों में हैं। आईपीएल के मौजूदा सीजन में राजस्थान रॉयल्स के सितारे का नया रूप सामने आया है। मंगलवार को फ्रेंचाइजी ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें 15 वर्षीय वैभव मास्टर शेफ बनकर रोटियां बेलते नजर आ रहे हैं। वीडियो में वैभव बड़े आत्मविश्वास के साथ गैस पर रोटी पकाते दिख रहे हैं। *एजेंसी*

हरियाणा बोर्ड 12वीं का परिणाम जारी

84.67 फीसदी परीक्षार्थी पास, टॉप 3 में 4 लड़कियां, लड़के फिर फिसड्डी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड ने मंगलवार को 12वीं का परीक्षा परिणाम जारी कर दिया। बोर्ड के अध्यक्ष डॉ.पवन कुमार ने बताया कि शिक्षा बोर्ड द्वारा संचालित करवाई गई सीनियर सैकेण्डरी (शैक्षिक/मुक्त विद्यालय) वार्षिक परीक्षा-2026 का परिणाम घोषित किया जा रहा है। परीक्षार्थी अपना परीक्षा परिणाम बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर देख सकते हैं। बोर्ड अध्यक्ष ने बताया कि सीनियर सैकेण्डरी (शैक्षिक) नियमित परीक्षार्थियों का परीक्षा परिणाम 84.67 फीसदी तथा स्वयंपाठी परीक्षार्थियों का परिणाम 69.57 फीसदी रहा है। उन्होंने बताया कि सीनियर सैकेण्डरी (शैक्षिक) नियमित परीक्षा में 2,42,856 परीक्षार्थी प्रविष्ट हुए थे, जिनमें से 2,05,618 उत्तीर्ण हुए तथा 10,498 परीक्षार्थी अनुत्तीर्ण रहे। इस परीक्षा में प्रविष्ट हुई 1,19,893 छात्राओं में से 1,05,467 पास हुई, इनकी पास प्रतिशतता 87.97 रही, जबकि 1,22,963 छात्रों में से 1,00,151 पास हुए, इनकी पास प्रतिशतता 81.45 रही। इस प्रकार छात्राओं ने छात्रों से 6.52 फीसदी ज्यादा पास प्रतिशतता दर्ज कर बढ़त हासिल की है। उन्होंने बताया कि कला संकाय में पास प्रतिशतता 82.60, विज्ञान संकाय में 90.08 तथा कॉमर्स संकाय में 88.20 रही है।

2,42,856 विद्यार्थियों ने दी थी परीक्षा | **2,05,618** विद्यार्थियों ने उत्तीर्ण की परीक्षा | **10,498** विद्यार्थी उत्तीर्ण नहीं हुए

लड़कियां 87.97 और लड़के 81.45 फीसदी पास

लड़कियों का रिजल्ट लड़कों से 6.52% अधिक रहा

स्वयंपाठी का 69.57 फीसदी रहा, मुक्त विद्यालय का 42.15 फीसदी परिणाम

दीपिका 499/500

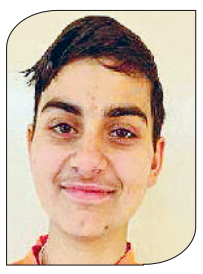

उदिता 498/500

योगिता 497/500

मुस्कान 497/500

टॉपर रेवाड़ी तो दूसरे नंबर पर रोहतक की छात्रा

टॉपर्स के पहले तीन स्थानों पर चार लड़कियों ने कब्जा जमाया। चिल्लर (रेवाड़ी) के विवेकानंद विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल की दीपिका ने 500 में से 499 अंक लेकर स्टेट में टॉप किया। रुड़की (रोहतक) के कन्या गुरुकुल की उदिता 500 में से 498 नंबर लेकर स्टेट में दूसरे नंबर पर रही। जींद जिले की योगिता और मुस्कान 497 नंबर लेकर संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रही। इनमें से योगिता जींद के बुडायन गांव के शिक्षा भारती ग्लोबल स्कूल और मुस्कान धमतान साहिब स्थित ज्ञान भारती स्कूल की छात्रा है। चारों आर्ट्स स्ट्रीम की छात्रा हैं।

च. दादरी टॉप तो नूंह सबसे पीछे रहा

परीक्षा में राजकीय विद्यालयों की पास प्रतिशतता 82.44 रही तथा प्राईवेट विद्यालयों की पास प्रतिशतता 87.94 रही है। ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों की पास प्रतिशतता 84.98 तो शहरी में पास प्रतिशतता 83.91 रही है। चरखी-दादरी टॉप तथा जिला नूंह सबसे निचले पायदान पर रहा। सीनियर सैकेण्डरी परीक्षा के स्वयंपाठी परीक्षार्थियों का परिणाम 69.57 प्रतिशत रहा है। इस परीक्षा में 2,642 परीक्षार्थी प्रविष्ठ हुए जिनमें से 1,838 पास हुए।

रि-अपीयर का परिणाम 50.09 फीसदी रहा

सीनियर सैकेण्डरी मुक्त विद्यालय (फ्रैश) का परिणाम 42.15 तथा (रि-अपीयर) का परिणाम 50.09 फीसदी रहा है। सीनियर सैकेण्डरी मुक्त विद्यालय (फ्रैश) की परीक्षा में 15,288 परीक्षार्थी प्रविष्ठ हुए थे, जिनमें से 6,444 परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए, जिनकी पास प्रतिशतता 42.15 रही। इस परीक्षा में 9,647 छात्र बैठे थे, जिनमें से 3,667 पास हुए, इनकी पास प्रतिशतता 38.01 रही है, जबकि 5,640 प्रविष्ठ छात्राओं में से 2,777 पास हुई, इनकी पास प्रतिशतता 49.24 रही है।

उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं

यह सफलता आपके परिश्रम, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है। आशा है कि आप जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में निरंतर प्रगति करते हुए अपने परिवार, समाज और प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। जिन विद्यार्थियों को उपेक्षित परिणाम नहीं मिल पाए, वे निराश न हों। परीक्षा का परिणाम जीवन का अंतिम सत्य नहीं होता। सफल विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं। *- नायब सैनी, मुख्यमंत्री*

षणमुगम बोले-जनादेश विजय के साथ

एआईएडीएमके में फूट, बागी गुट का टीवीके को समर्थन

एजेंसी ▶▶ चेन्नई

तमिलनाडु में एआईएडीएमके पार्टी में दो हिस्सों में बंट गई है। पार्टी के नेता सीवी षणमुगम ने मुख्यमंत्री विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) को समर्थन देने का आधिकारिक ऐलान कर दिया। कहा जा रहा है कि उनके साथ 30 विधायकों ने भी विजय को समर्थन देना स्वीकार किया है।

षणमुगम ने बयान दिया, 'हम जनता का जनादेश स्वीकार करते हैं। यह जनादेश टीवीके चीफ विजय के लिए है। इसलिए हम टीवीके सरकार को अपना समर्थन देते हैं। अगर हम डीएमके के साथ गठबंधन करते तो एआईएडीएमके का अस्तित्व ही समाप्त हो जाता। षणमुगम ने यह भी कहा- मेरी एआईएडीएमके तोड़ने की कोई मंशा नहीं है। एडप्पादी पलानीसामी ही हमारे नेता हैं। पलानीसामी गुट में 17 विधायक हैं। चुनाव 2026 में मेरी एआईएडीएमके तोड़ने की कोई मंशा नहीं है।

हम डीएमके से जुड़ते तो खत्म हो जाते

एआईएडीएमके तोड़ने की मेरी कोई मंशा नहीं

विजय के बड़े फैसले

- शराब दुकानें बंद, 200 यूनिट बिजली फ्री दी जाएगी।
- हर जिले में एंटी-ड्रग टास्क फोर्स का होगा गठन।
- महिलाओं के लिए स्पेशल टास्क फोर्स
- 717 शराब की दुकानें बंद करवाई जाएंगी।

हिमंता बिस्वा सरमा दूसरी बार बने असम के मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। हिमंता बिस्वा सरमा लगातार दूसरी बार असम के मुख्यमंत्री बने हैं। असम के गवर्नर लक्ष्मण आचार्य ने गुवाहाटी के खानापारा वेटरनरी कॉलेज ग्राउंड में उन्हें पद और गोपनियता की शपथ दिलाई। हिमंता के अलावा 4 विधायकों भाजपा के रामेश्वर तेली, अजंता नेओम, एजीपी के अतुल बोरा, बीपीएफ के चरण बोरो ने मंत्री पद की शपथ ली है। इनमें दो बीजेपी और 2 सहयोगी दलों से हैं। शपथ कार्यक्रम में पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत बीजेपी-एनडीए शासित राज्यों के सीएम और कई केंद्रीय मंत्री मौजूद रहे। हिमंता का पूरा परिवार भी कार्यक्रम में मौजूद रहा। *(पैकेज पेज-5 पर)*

नगर निकाय चुनाव की मतगणना आज, मिलेगी शहर की सरकार

सभी तैयारी पूरी ▶▶ सुरक्षा के कड़े प्रबंध

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से बताया कि प्रदेश में संपन्न हुए नगर निकायों के आम एवं उपचुनावों की मतगणना के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। संबंधित जिला निर्वाचन अधिकारियों एवं रिटर्निंग अधिकारियों को मतगणना प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी, शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न करवाने के निर्देश जारी किए हैं। ताया गया है कि नगर निकाय चुनावों की मतगणना 13 मई 2026 को प्रातः 8:00 बजे से संबंधित मतगणना केंद्रों पर शुरू होगी। सभी मतगणना केंद्रों पर सुरक्षा के व्यापक एवं पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। केवल अधिकृत व्यक्तियों को ही मतगणना स्थलों पर प्रवेश की अनुमति होगी। केंद्रों पर सीसीटीवी निगरानी, बैरिकेडिंग, पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती तथा आवश्यक मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की गई हैं। हरियाणा निर्वाचन आयोग द्वारा 10 मई 2026 को आयोजित नगर निकाय चुनाव शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सफलतापूर्वक सम्पन्न करवाए गए। इन चुनावों के अंतर्गत अंबाला, पंचकूला एवं सोनीपत नगर निगम, रेवाड़ी नगर परिषद तथा धारूहेड़ा, सांपला एवं उकलाना नगरपालिकाओं में मतदान कराया गया। इसके अतिरिक्त प्रदेश के विभिन्न नगर निकाय क्षेत्रों में वार्डों के उपचुनाव भी सफलतापूर्वक सम्पन्न हुए।

प्रातः 8:00 बजे से मतगणना केंद्रों पर शुरू होगी प्रक्रिया

तेल की चिंता में बाजार में गिरावट जारी

सेंसेक्स 1,456 अंक लुढ़का लोगों के 10 लाख करोड़ स्वाहा

मुंबई (भाषा)। स्थानीय शेयर बाजारों में मंगलवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में गिरावट आई और बीएसई सेंसेक्स 1,456 अंक लुढ़क गया, जबकि एनएसई निफ्टी 23,500 अंक के नीचे आ गया। गिरावट से निवेशकों के 10 लाख करोड़ रुपये स्वाहा हो गए। कच्चे तेल की ऊंची कीमत और पश्चिम एशिया संघर्ष को लेकर अनिश्चितता से बाजार धारणा पर प्रतिकूल असर पड़ा है।

विदेशी संस्थागत निवेशकों की निरंतर पूंजी निकासी और रुपये के अब तक के सबसे निचले स्तर पर आने से भी निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। चौतरफा बिकवाली के बीच, तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,456.04 अंक यानी 1.92 प्रतिशत टूटकर 74,559.24 अंक पर बंद हुआ। कारोबार दौरान, यह 1,565.78 अंक लुढ़क कर 74,449.50 अंक पर आ गया था। पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 436.30 अंक यानी 1.83 प्रतिशत का गोता लगाकर 23,379.55 अंक पर बंद हुआ।

चार दिन में 3,500 अंक टूटा सेंसेक्स
■
निफ्टी 23,500 अंक से नीचे आया

चांदी और सोना भी चढ़ा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोगों से सोना न खरीदने की अपील के बावजूद 12 मई को सोना-चांदी में तेजी रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, एक किलो चांदी 8,667 रुपये बढ़कर 2,64,867 रुपये पर पहुंच गई है। इससे पहले सोमवार को इसकी कीमत 2,56,200 रुपये प्रति किलो थी। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,270 रुपये चढ़कर 1,51,632 रुपये पर पहुंच गया है। इससे पहले 11 मई को इसकी कीमत 1,50,362 रुपये प्रति 10 ग्राम थी।

रिटेल महंगाई अप्रैल में बढ़कर 3.48% पर पहुंची

नई दिल्ली। अप्रैल की रिटेल महंगाई बढ़कर 3.48% पर पहुंच गई है। इससे पहले मार्च में यह 3.40% थी। 12 मई को ये आंकड़े जारी किए गए हैं। महंगाई में यह बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ा हुआ है। यह तनाव लंबा चला तो महंगाई आगे और बढ़ सकती है। महंगाई बढ़ने की सबसे बड़ी वजह खाने-पीने की चीजों के दामों का बढ़ना है।

प्रदेश के 4 जिलों में हल्की बारिश नूंह में ओले गिरे, 6 में ऑरेंज अलर्ट

हरियाणा (हरिभूमि टीम)। प्रदेश में मंगलवार को एक बार फिर मौसम में बदलाव देखने को मिला। दोपहर बाद नूंह के पिनगवा में हल्की बारिश के साथ जमकर ओले पड़े। इससे पहले सुबह पंचकूला, यमुनानगर, करनाल और गुरुग्राम में तेज बारिश हुई। पानीपत, सोनीपत और फरीदाबाद में सुबह बादलवाई रही। यहां भी बारिश की संभावनाएं बनी हुई हैं। मौसम विज्ञान केंद्र, चंडीगढ़ ने महेंद्रगढ़, झज्जर, रोहतक, रेवाड़ी, पलवल और नूंह में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। 60 से 70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। पिछले दो दिन से मौसम में बदलाव के कारण प्रदेश के अधिकतम तापमान में औसतन 2.7 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। लोगों को कुछ हद तक गर्मी से राहत मिली है।

अधि. तापमान में 2.7 डिग्री की गिरावट दर्ज

रोहतक सबसे गर्म शहर रहा

प्रदेश में मंगलवार को सिरसा सबसे गर्म रहा। यहां तापमान 44.4 डिग्री पारा दर्ज किया गया। वहीं, गुरुग्राम में सबसे कम 21 डिग्री पारा दर्ज किया गया। इसके अलावा हिसार में 42.2 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। आगामी दो दिनों तक पारा 40 डिग्री के नीचे ही बने रहने की संभावना है।

प्रदेश में न्यू. तापमान बढ़ा

सोमवार की तुलना में मंगलवार को औसत न्यूनतम तापमान में 0.3 डिग्री की बढ़ोतरी हुई है, लेकिन यह राज्य में सामान्य के करीब है।

नशेड़ी बेटे से तंग आकर पिता ने परिवार सहित मांगी इच्छामृत्यु

वलसाड। गाजियाबाद के हरीश राणा के इच्छामृत्यु वाली कहानी यूपी ही नहीं बल्कि पूरे देश को इमोशनल कर गई थी। अब गुजरात के वलसाड में एक परिवार ने इच्छामृत्यु की गुहार लगाई है। परिवार का कहना है कि वह नशेड़ी बेटे की असहनीय यातनाओं से तंग आकर हमने ये अंतिम निर्णय लिया है। पीड़ित परिवार वलसाड के अब्रमा का रहने वाला है। ब्राह्मण परिवार को अपने नशेड़ी बेटे से दिक्कत है। इस परिवार में पति-पत्नी के दो बेटे और एक बेटी है। बेटी जन्म से ही दिव्यांग है। छोटा बेटा 25 साल से नशे का आदी है। वह शराब पीकर घर आता है और परिवार के सदस्यों को प्रताड़ित करता है।

वलसाड का मामला, बेटा करता रहता है प्रताड़ित

पंजाब विजिलेंस हेडक्वार्टर पर सीबीआई का छापा

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब विजिलेंस हेडक्वार्टर पर सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) की टीम ने छापा मारा। सोमवार देर रात छापा मारने के बाद टीम मंगलवार सुबह दोबारा पंजाब विजिलेंस चीफ के दफ्तर पहुंची। बताया जा रहा है कि टीम एक रिश्वत केस में जांच कर रही है। इससे पहले सीबीआई ने चंडीगढ़ के पांच सितारा होटल में छापा मारा था, जहां 20 लाख की डील को पकड़ा था। यहां से पुलिस ने डीजी विजिलेंस के रीडर ओपी राणा के बिचौलिए को गिरफ्तार किया। लेकिन गनमैन से मिली सूचना के बाद बाकी के लोग भाग निकले थे। इसके बाद सीबीआई ने पीछा कर दो आरोपियों बाप-बेटे को पंजाब-हरियाणा सीमा पर अंबाला के पास से पकड़ लिया।

रिश्वत केस की जांच में की कार्रवाई, तीन गिरफ्तार

संग्रहालय में प्रवेश शुल्क छात्रों के लिए 10 और अन्य आगंतुकों के लिए 20 रुपये

फील द जेल : हैदराबाद की चंचलगुड़ा जेल ने शुरू किया अनूठा कार्यक्रम, 2000 में करें कारावास का अनुभव

बेहद आत्मीय महसूस होता है यह अनुभव

एजेंसी ▶▶ हैदराबाद

सजावट से सुसज्जित प्रवेश द्वार एक संकरे गलियारे में खुलता है, जिसके दोनों ओर जेल की बैरकें बनी हुई हैं। शांत, विरल और अप्रत्याशित रूप से व्यवस्थित। एक कमरे के अंदर, सफेद सादी दीवार के सहारे नीले रंग की चादर वाला एक अकेला बिस्तर रखा है, जिसके पास पीने के पानी का मिट्टी का घड़ा और एक छोटा-सा स्नानघर है। एक मोटी काली जाली कैदी को बाहर के गलियारे से अलग करती है, लेकिन बैरक का आकार ठीक-ठाक है, उसमें हवा का अच्छा इंतजाम है और उसे केवल जरूरी चीजों तक सीमित रखा गया है। कुछ कदम आगे दूसरी बैरक में चार बिस्तर आमने-सामने लगे हुए हैं, जो जेलों में आम तौर पर होने वाले साझा रहने के स्थानों को दर्शाते हैं। अंदर केवल बुनियादी सुविधाएं हैं। एक बिस्तर, एक छोटी मेज, धुलाई की जगह और पानी का घड़ा। ये कैदियों को रखने वाली कोठरियां नहीं हैं, बल्कि हैदराबाद की चंचलगुड़ा केंद्रीय जेल में शुरू की गई एक नई अनुभवात्मक पहल का हिस्सा हैं, जहां आम नागरिक अब 12 या 24 घंटे जेल जीवन का प्रत्यक्ष अनुभव लेने का विकल्प चुन सकते हैं। 24 घंटे के अनुभव के लिए शुल्क 2,000 रुपये निर्धारित किया गया है, जबकि 12 घंटे के अनुभव की कीमत 1,000 रुपये होगी। चंचलगुड़ा जेल संग्रहालय में प्रवेश शुल्क छात्रों के लिए 10 रुपये और अन्य आगंतुकों के लिए 20 रुपये रखा गया है, जबकि 10 वर्ष से कम आयु के बच्चों को निःशुल्क प्रवेश दिया जाएगा।

अलग खबर

मिलेगी जेल जैसी दिनचर्या

तेलंगाना कारागार विभाग द्वारा मंगलवार को शुरू किए गए इस शुल्क कार्यक्रम का नाम 'फील द जेल' है। यह आम लोगों को विशेष रूपार की गई बैरकों में कैदियों जैसा जीवन जीने का अवसर देता है। इसमें जेल का भोजन, निर्धारित दिनचर्या और सीमित आवाजाही शामिल है, ताकि लोगों को कारावास के जीवन की वास्तविक झलक मिल सके। इस पहल की शुरुआत चंचलगुडा प्रिजन म्यूजियम के साथ की गई है, जो अब देश का पांचवां जेल संग्रहालय बन गया है। इससे पहले अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की सेल्युलर जेल, कोलकाता का अलीपुर जेल म्यूजियम, बेंगलुरु सेंट्रल जेल म्यूजियम और गोवा सेंट्रल जेल म्यूजियम इस सूची में शामिल हैं। जेल अनुभव क्षेत्र आकार में भले ही छोटा हो, लेकिन यह बेहद आत्मीय महसूस होता है। बैरकों की सादगी, पास स्थित संग्रहालय में संरक्षित भारत के जेल इतिहास के अंधकारमय अध्यायों के बिल्कुल विपरीत दिखाई देती है।

जेलें सुधारात्मक संस्थान

तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने संग्रहालय का उद्घाटन करते हुए कहा कि यह केवल ऐतिहासिक वस्तुओं का संग्रह नहीं है, बल्कि यह दिखाने का प्रयास है कि भारत में जेलें दंडात्मक स्थानों से सुधारात्मक संस्थानों में कैसे विकसित हुईं। औपनिवेशिक काल में कैदियों के साथ हुए व्यवहार को याद करते हुए उन्होंने कहा, वे न तो बैठ सकते थे और न ही सो सकते थे। उनके शरीर को शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से तोड़ दिया जाता था, लेकिन उनकी आत्मा को नहीं तोड़ा जा सका।

खबर संक्षेप

बस से गिरकर व्यक्ति की मौत, चालक पर केस

जींद। सफीदों के रामपुरा रोड पर बस से उतरते समय एक व्यक्ति की खिड़की से गिरकर मौत हो गई। शहर थाना सफीदों पुलिस ने मृतक के बेटे की शिकायत पर फरार बस चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सफीदों निवासी संदीप ने पुलिस को बताया कि उसके पिता कर्मबीर बस से लौट रहे थे। वह अपने पिता को लेने के लिए रामपुरा रोड पर बने ब्रेकर के पास खड़ा हुआ। कुछ समय के बाद बस आई। जब उसके पिता नीचे उतर रहे थे तो चालक ने बस को चला दिया, जिससे गिरकर उनके पिता की मौत हो गई। आरोपी बस चालक फरार हो गया।

तीन नशा तस्करों की लाखों की प्रॉपर्टी अटैच

जींद। पुलिस ने नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उनकी करीब 11 लाख 92 हजार 560 रुपये की प्रॉपर्टी अटैच करवाई है। उप पुलिस अधीक्षक नरवाना कमलदीप राणा ने बताया कि नशे के कारोबार से अर्जित की गई अवैध संपत्ति को सक्षम प्राधिकारी दिल्ली द्वारा फ्रिज किया गया है। इनमें गांव निम्राबाद निवासी सतीश थाना सदर सफीदों का चार लाख का 100 वर्ग मीटर का प्लॉट, गांव निम्राबाद निवासी मलकिंद्र का छह लाख 46 हजार 560 रुपये का 150 वर्ग मीटर का प्लॉट व एक मोटरसाइकिल तथा नशा तस्कर गांव सालवन असंध, करनाल निवासी दुष्यंत का 46 हजार रुपये मूल्य का एक मोटरसाइकिल है।

ब्रज 84 कोस परिक्रमा मार्ग का किया निरीक्षण

नूंह। उपायुक्त अखिल पिलानी ने मंगलवार को पुन्हाना उपमंडल के गांव नीमका व बिछोर क्षेत्र से होकर गुजरने वाले जानी ब्रज 84 कोस परिक्रमा मार्ग का विस्तृत निरीक्षण किया। यह यात्रा आगामी 17 मई से शुरू होकर 17 जून तक जारी रहेगी। उन्होंने निर्देश दिए कि मरम्मत व सफाई आदि को प्राथमिकता से पूरा किया जाए।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

हाईकोर्ट ने चैरिटेबल ट्रस्ट की याचिका खारिज की

अब मीरी-पीरी मेडिकल संस्थान का प्रबंधन संभालेगी एचएसजीएमसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरुक्षेत्र

शाहाबाद स्थित मीरी-पीरी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस एंड रिसर्च सेंटर को लेकर चल रहे लंबे कानूनी विवाद में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट ने मीरी पीरी चैरिटेबल ट्रस्ट की याचिका को खारिज करते हुए फैसला हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के पक्ष में सुनाया है। इसके साथ ही अब शाहाबाद जीटी रोड स्थित मीरी-पीरी संस्थान का प्रबंधन एचएसजीएमसी संभालेगी।

सूत्रों के अनुसार, कमेटी जल्द ही संस्थान का प्रशासनिक नियंत्रण अपने हाथों में ले सकती है। फैसले से पहले ही कुरुक्षेत्र स्थित एचएसजीएमसी मुख्यालय में प्रधान जगदीश सिंह झींडा ने सदस्यों और कर्मचारियों के साथ बैठक कर आगे की रणनीति तैयार की। फैसले के बाद झींडा ने कहा कि संस्थान के किसी भी कर्मचारी को हटाया नहीं जाएगा और न ही संस्थान का नाम बदला जाएगा। उन्होंने कहा कि एचएसजीएमसी का उद्देश्य केवल संस्थान की सेवाओं को बेहतर बनाना और संगत की भावनाओं के अनुरूप प्रबंधन चलाना है। वहीं पूर्व प्रधान बलजीत सिंह दादूवाल ने सभी सिख संगत का आभार जताया है। इससे पहले 8 मई को दोनों पक्षों की बहस पूरी होने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था।

कुरुक्षेत्र। खुशी जताते हरियाणा कमेटी के नामित सदस्य बलजीत दादूवाल।

2022 के बाद शुरू हुआ था विवाद

दरअसल यह विवाद वर्ष 2022 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी को मान्यता दिए जाने के बाद शुरू हुआ था। इसके बाद हरियाणा सरकार ने चुनाव तक एडहॉक कमेटी बनाई थी। फिर 4 सितंबर 2024 को एचएसजीएमसी ने मेडिकल सेवाओं को मजबूत करने के उद्देश्य से एक मेडिकल बोर्ड गठित किया था। इस मेडिकिल बोर्ड में ट्रस्ट से जुड़े कुछ सदस्यों को भी शामिल किया गया था,लेकिन ट्रस्ट प्रबंधन ने इसे निजी ट्रस्ट के मामलों में दखल बताते हुए पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में चुनौती दे दी थी। 3 अक्टूबर 2024 को हाईकोर्ट ने बोर्ड के गठन पर स्टे लगा दिया था, जो अब तक जारी था।

दादूवाल ने बांटे लड्डू

फैसला आने पर हरियाणा कमेटी के नामित सदस्य बलजीत सिंह दादूवाल ने एचएसजीएमसी मुख्यालय पर लड्डू बांटकर खुशी का इहजार किया। दादूवाल ने कहा कि मीरी पीरी मेडिकल संस्थान के मामले में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में हरियाणा कमेटी का कानूनी पक्ष शुरू से ही बेहद मजबूत था। उन्होंने कहा कि हमें पहले दिन से ही पूरी उम्मीद थी कि अदालत का फैसला हमारे हक में ही आएगा।

गुरुग्राम में युवती की हत्या कर शव बेड में छिपाया

गुरुग्राम। मानेसर थाना क्षेत्र में 22 वर्षीय युवती की गला दबाकर हत्या करने के बाद उसके शव को कमरे में बेड के अंदर छिपाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने सोमवार देर रात करीब 12 बजे शंकर की ढाणी गांव से युवती का शव बरामद किया।

मृतका की पहचान उत्तर प्रदेश के रायबरेली निवासी सोनी के रूप में हुई है। सोनी एक निजी कंपनी में काम करती थी और किराए के मकान में दो अन्य युवतियों के साथ रहती थी। पुलिस जांच में पता चला है कि युवती का शव पड़ोस के कमरे में रहने वाले एक युवक के बेड के अंदर से मिला।

घटना के बाद से आरोपी युवक फरार है। पुलिस को आशंका है कि फरार युवक ने युवती की हत्या कर शव को छिपाया। मानेसर थाना पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच तेज कर दी है। पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। अभी तक यह सामने नहीं आया है कि आखिर किस वजह से इस हत्या को अंजाम दिया गया है।

15 हजार रिश्वत लेते खाद्य विभाग का सब इंस्पेक्टर रंगे हाथों काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ करनाल

स्टेट विजिलेंस की टीम ने खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के एक सब इंस्पेक्टर को 15 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों काबू किया है। आरोपी मनोज कुमार कुंजपुरा सेंटर पर तैनात था और उसके पास घरौंडा व निसिंग सेंटर का भी अतिरिक्त प्रभार था।

सब इंस्पेक्टर मनोज ने कुछ दिन पहले एक डिपो की चेकिंग की थी, जिसमें करीब 4 किलो अनाज कम पाया गया था। आरोप है कि मनोज रिपोर्ट में इस कमी को कई क्विंटल गेहूं दिखाकर डिपो होल्डर विकास पर दबाव बना रहा था। रिपोर्ट को ठीक करने के बदले में उसने 15 हजार रुपये की मांग की थी। परेशान होकर डिपो होल्डर विकास ने इसकी शिकायत स्टेट विजिलेंस को दी। एसीबी की इंस्पेक्टर नन्ही देवी ने तुरंत एक टीम गठित की और पाउडर लगे नोट शिकायतकर्ता को थमा दिए। योजना के अनुसार, जैसे ही मनोज कुमार ने कुंजपुरा बस अड्डे के पास विकास से 15 हजार रुपये लिए, पहले से तैनात विजिलेंस टीम ने उसे मौके पर ही दबोच लिया।

रिटायर्ड फौजी है आरोपी

बताया जा रहा है कि आरोपी मनोज कुमार करनाल के मधुबन का रहने वाला है और एक रिटायर्ड फौजी है। उसकी पत्नी भाजपा की स्थानीय नेत्री भी बताई जा रही है। मनोज की कुंजपुरा सेंटर पर तैनाती अभी बीते 30 अप्रैल को ही डीएफएससी द्वारा की गई थी।

COURT NOTICE
(U/o 5 Rule 20 CPC)
IN THE COURT OF
Harsimran Kaur Keron
Civil Judge (Junior Division).
Parveen Kumari D/o Bheem Singh
Vs.
General Public
CNR No. HRJRA0-000209-2026
Next Date : 06.07.2026
CS-153-26
PUBLICATION ISSUED TO :-
General Public
:-
Jhajjar
In above titled case, the defendant(s)/ respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s) / respondent(s) should appear in person or through counsel on **06.07.2026 at 10:00 a.m.**
For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?mod=district_notice&district=Jhajjar*
Sd/- Civil Judge (Junior Division), Bahadurgarh
Dated, this day of 11.05.2026

न्यायालय श्री जतिन्द्र गिल नायब तहसीलदार एवं सहायक कलैक्टर प्रथम श्रेणी गोहाना।
केस नं. 272/टी. **तिथि दायरा : 29.07.2025**
तिथि पेशी : 26.05.2026
किस्म मुकदमा : दु०गिरदावरी **मौजा : कहैल्पा**
अनुमानः- आजाद आदि बनाम किदारा आदि।
पक्ष दोयम नं.
1-किदारा पुत्र कुरडा 2-बालमुकुन्द पुत्र तकायाराम 3-देशराज पुत्र भालेराम पुत्र जयदिवाल सभी निवासीगण गांव कहैल्पा तहसील गोहाना जिला सोनीपत। ....पक्ष दोयमगण
नोटिस बनाम फरीक दोयमगण बजरिये प्रकाशन अखबार दुरूस्त गिरदावरी खेवट नं0 383//342 खतौनी नं0 451, 452, 453 खसरा नं0 6//22, 8//2मिन, 8//2मिन जनूब रकबा 8 कनाल 9 मरले मौजा कहैल्पा तह० गोहाना जिला सोनीपत।
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त केस अनुमान इस न्यायालय में विचाराधीन है। जो फरीक दोयम का दुरूस्त पता ना होने का कारण फरीक अव्वल के वकील द्वारा अखबारी प्रकाशन किया जाना है। इसलिए अखबार में प्रकाशन के जरिए फरीक दोयमगण को सूचित किया जावे कि उपरोक्त केस की आगामी तिथि 26.05.2026 निश्चित है उपरोक्त फरीक दोयमगण जहां भी रहते निश्चित तिथि पेशी तक असालतन या वकालतन न्यायालय हाजिर आवे। अन्यथा उनके विरूद्ध एकतरफा कार्यवाही अम्ल में लाई जावेगी।
हस्ता/- सहायक कलैक्टर, प्रथम श्रेणी, गोहाना।

सार्वजनिक सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत गुढा के दो तालाबों को पट्टे पर छोड़ने हेतू दिनांक 18/05/2026 प्रातः 10:00 बजे सामान्य चौपल गाँव गुढा में खुली बोली लगाई जानी है। जिसके लिए नियम व शर्तें बोली से पूर्व मौके पर बता दी जाएंगी।
हस्ता/-सरपंच
ग्राम पंचायत गुढा (झज्जर)
पीआरडीएच 1028/11/208/2027/45073/88/6 दि. 12.05.2026

कार्यालय पुलिस अधीक्षक, नारनौल
जिला महेन्द्रगढ़ के पुलिस लाईन नारनौल में दिनांक 16.05.2026 को सुबह 10:00 एएम पर उप-पुलिस अधीक्षक मुख्यालय की देख रेख में विविध भंडार के नकारा हो चुके लोहे, प्लास्टिक इत्यादि के सामान जैसे चारपाई, आरओ/वाटर कूलर, कूलर, पंखे, लोहा/लकड़ी अलमारी, प्लास्टिक/लोहा कुर्सी व अन्य लोहे आदि के सामान की नीलामी की जाएगी। उपरोक्त सामान को बोली लगाकर खरीदने के इच्छुक व्यक्ति 16 मई को सुबह 10:00 बजे पुलिस लाईन नारनौल में पहुंचकर नीलामी में भाग ले सकता है। बोली के लिए सिक्योरिटी राशि 15 हज़ार रूपए जमा करानी होगी। अन्य नियम व शर्तें मौके पर ही बताई जाएंगी।
अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 9728774629 पर संपर्क करें।
पीआरडीएच 1084/11/4796/2027/45054/88/6 दि. 12.05.2026

सीएम फ्लाइंग की रेड के बाद खुलासा

ई-सैलरी पोर्टल में हेरफेर कर 94 लाख का किया गबन

- सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शहजादपुर में एमपीएचडब्ल्यू पर आरोप, एक डॉक्टर की भी मिलीभगत आई सामने

हरिभूमि न्यूज ▶▶ शहजादपुर

सरकारी खजाने को चूना लगाने का एक बड़ा मामला सामने आया है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शहजादपुर में तैनात एक कर्मचारी ने अधिकारियों के साथ मिलकर ई-सैलरी पोर्टल में हेरफेर कर करीब 94 लाख रुपये का गबन किया है। सीएम फ्लाइंग के इंस्पेक्टर राजेश कुमार, परविंद्र कुमार, जनकराज, बलजिंदर सिंह, स्वास्थ्य विभाग से डॉक्टर विपिन भंडारी की टीम ने सीएचसी शहजादपुर में कार्रवाई करते हुए फर्जीवाड़े का भंडाफोड़ किया है।

आरोप है कि मुख्य आरोपी एमपीएचडब्ल्यू जरनैल सिंह ने तत्कालीन चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण प्रसाद के साथ मिलीभगत कर ई-सैलरी पोर्टल पर आंकड़ों के साथ छेड़छाड़ की। वित्त वर्ष 2022-23 में वैध सैलरी से 27,71,550 रुपये अतिरिक्त निकाले। वित्त वर्ष 2023-24 में वैध सैलरी से 66,43,400 रुपये अतिरिक्त भुगतान लिया। इस प्रकार कुल 94,14,950 रुपये की राशि का गबन कर सरकारी खजाने को भारी नुकसान पहुंचाया गया।

जांच करती सीएम फ्लाइंग की टीम।

आरोपी हुआ फरार

मंगलवार को छापेमारी की भनक लगते ही मुख्य आरोपी जरनैल सिंह मौके का फायदा उठाकर केंद्र से फरार होने में कामयाब रहा। उसकी फरारी की एंट्री एसएमओ डॉ. गुरप्रीत सिंह ने मूवमेंट रजिस्टर में दर्ज की है। स्वास्थ्य विभाग के सहायक लेखाकार संजीव कुमार द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट और रिकॉर्ड के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

स्कूल बस की चपेट में आने से बाइक सवार ननद-भाभी की मौत, पति घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

जगाधरी-पावंटा हाईवे पर मानकपुर इंडस्ट्रीज के पास स्कूल बस की चपेट में आने से ननद व भाभी की मौत हो गई, जबकि बाइक चला रहा पति गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतका गंगा नगर कॉलोनी निवासी 25 वर्षीय खुशबू की शादी 13 दिन पहले 29 अप्रैल को ही शिव कुमार के साथ हुई थी। खुशबू अपने पति शिवकुमार व ननद पूजा के साथ पंचमुखी हनुमान मंदिर में माथा टेकने के लिए जा रही थी। जानकारी के अनुसार, शिवकुमार यमुनानगर में ही डिलीवरी ब्वॉय का काम करता है, जबकि दूसरी मृतका पूजा शिवकुमार की मौसी की बेटी थी। वह शादी में शामिल होने के लिए बिहार से यमुनानगर आई थी।

13 दिन पहले हुई थी शादी, ननद व पति के साथ मंदिर जा रही थी, बस में थे 15 बच्चे, दहशत में आए

मंगलवार सुबह करीब साढ़े छह बजे खुशबू अपने पति शिव कुमार और ननद पूजा के साथ बाइक पर मंदिर जा रही थी। तभी पीछे से तेज रफ्तार में आ रही एक स्कूल बस ने बाइक को टक्कर मार दी। इसमें खुशबू के सिर के ऊपर से बस का पहिया निकल गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पूजा भी बस की चपेट में आ गई और उसने भी मौके पर ही दम तोड़ दिया। स्थानीय लोगों ने घायल शिव कुमार को अस्पताल पहुंचाया और हादसे की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने आरोपी बस चालक को गिरफ्तार कर लिया। बताया जा रहा है कि हादसे के समय बस में 15 बच्चे सवार थे। हादसे की वजह से बच्चों में भी दहशत देखी गई। उन्हें दूसरे वाहन में भेजा गया।

सड़क हादसे में हेडकांस्टेबल की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

सोमवार को आईओसी के पास सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए हरियाणा पुलिस के हेड कांस्टेबल कृष्ण कुमार की निजी अस्पताल में मौत हो गई। उनका अंतिम संस्कार मंगलवार सायं पैतृक गांव सिहास नैनसुखपुरा में किया गया, जहां पुलिस के जवानों ने हवा में गोलियां चलाकर सलामी दी। पुलिस विभाग में ईएचसी के पद पर भाड़ावास नाके पर तैनात लगभग 50 वर्षीय कृष्ण कुमार की गाड़ी का सोमवार को संदिग्ध हालात में लाला रोहड़ाई नहर के पास एक्सिडेंट हो गया था। मृतक के परिवार में उनके माता-पिता के साथ-साथ पत्नी व दो लड़के हैं। पत्नी टीचर हैं।

साजिश का जताया शक : कृष्ण कुमार के परिजनों ने आरोप लगाया कि कुछ लोगों के साथ कृष्ण का विवाद चल रहा था। उन्हें आशंका है कि कृष्ण को साजिश के तहत मौत के घाट उतारा गया है। पुलिस ने परिजनों को उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

हरियाणा सरकार **निविदा सूचना**

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/ प्राधि. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि	राशि/ईएमडी (लगभग) रु.में	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ ई-मेल
1	एमआईसीएडीए फतेहाबाद	ओ/एल आरडी 75100-आर खेड़ी डिस्टी पर वाटरकोर्स की लाइनिंग (बकाया कार्य) + 7 कार्य।	08.05.2026 18.05.2026	रु.1,09,04,844/-	https://etenders.hry.nic.in	9215041185 [illegible]

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in
संवाद-13/2027/40/45056/I/88/6 दि. 12.05.26

हरियाणा सरकार **शुद्धिपत्र**

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/ प्राधि. का नाम	पुराना संदर्भ / एनआईटी सं.	शुद्धिपत्र की प्रकृति	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी/ सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	एचवीपीएनएल	E.NITNO.-04/XENTS DIV.HVPNLHISAR/ 2026-2027, DATED 06.05.2026 TENDERREF.NO./ E-TENDER ID- 2026_HBC_519859_1 2026D48FE588FFB B487899807BD2F253 F53F967HVP	बोली खुलने की तिथि - 06.05.2026 15:00 बजे से ऑनलाइन बोली जमा की अन्तिम तिथि 18.05.2026 (15:00 बजे) तक बढ़ा दी गई है (हिसार)।	www.hvpn.org.in	0172-2583789 pro@hvpn.org.in

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in
संवाद-13/2027/60/45070/I/88/6 दि. 12.05.26

विदेश भेजने के नाम पर ठगी, नहर में कूदा

- न्यूजीलैंड भेजने के नाम पर युवक से साढ़े सात लाख रुपये की ठगी की
- नहर में कूदने से पहले युवक ने वीडियो रिकॉर्ड कर आरोपियों के बारे में बताया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

कैथल के गांव कौल के युवक ने एजेंटों से परेशान होकर कुरुक्षेत्र के निकट एक नहर में छलांग लगा दी। कई घंटे बीतने के बावजूद उसका कोई सुराग नहीं लग पाया। युवक की पहचान गांव कौल के पुनीत के रूप में हुई है। वह गांव में सीएससी सेंटर चलता था। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि मंगलवार को एक युवक अपनी कार में सवार होकर कुरुक्षेत्र के पास नहर के पुल के निकट पहुंचा। उसने गाड़ी किनारे पर खड़ी की। इससे पहले कि आसपास के लोग कुछ समझ पाते उसने नहर में छलांग लगा दी। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। नहर में कूदने से पहले पुनीत ने एक वीडियो रिकॉर्ड किया है। वीडियो में युवक ने बताया कि 2024 में उसकी बातचीत गांव के बिट्टू से हुई, जिसने उसे अपनी मौसी के बेटे बलजीत से मिलवाया। आरोपियों ने उसे न्यूजीलेंड भेजने का झांसा दिया तथा साढ़े सात लाख की राशि ले ली। इस पर आरोपियों के कहने पर उसने पैकिंग तक करवा ली लेकिन उसका वीजा नहीं आया। बलजीत के विदेश फरार होने के बाद बिट्टू ने जिम्मेदारी ली और उसे स्पेन भेजने का झांसा दिया। जब उसे विदेश नहीं भेजा गया तो उसने अपने रुपये वापस मांगे लेकिन बिट्टू ने फोन बंद कर दिया।

एजेंटों की वजह से मैं बर्बाद हो गया

पुनीत ने अपने वीडियो में कहा कि वह एजेटों की वजह से बर्बाद हो गया है तथा उसके पास अब मरने के अलावा और कोई रास्ता नहीं बचा है। वहीं पुनीत के ममेरे भाई सतीश ने बताया कि पुनीत लंबे समय से मानसिक तनाव में था। बीती रात में अपनी पत्नी के रोकने के बावजूद घर से कार लेकर निकला था। पुलिस ने पुनीत की कार को कब्जे में ले लिया है तथा वीडियो के आधार पर आरोपियों की जांच शुरू कर दी है।

राशिफल

मेष – आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवन साथी के स्वास्थ का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें।

वृष – धैर्यशीलता बनाये रखने का प्रयास करें। परिवार का साथ मिलेगा। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव की सम्भावना बन रही है। परिश्रम अधिक रहेगा।

मिथुन – मन प्रसन्न रहेगा। कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। विवाद की स्थितियां बन सकती हैं।

कर्क – आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे।

सिंह – नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी, परन्तु किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। लंबे समय से चली आ रही समस्याएं खत्म होंगी।

कन्या – शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा। शैक्षिक कार्यों के लिए भी विदेश जा सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता के योग बन रहे हैं।

तुला – जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का सानिध्य मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। भागदौड़ भी अधिक रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक – मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। परिवार का साथ मिलेगा, परन्तु पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। खर्च बढ़ेंगे।

धनु – मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। कारोबार में उतार-चढ़ाव रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यर्थ की चिंताओं पर नियंत्रण बनाकर रखें।

मकर – शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता रहेगी। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आय में वृद्धि भी होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।

कुंभ – भागदौड़ अधिक रहेगी। परन्तु किसी मित्र के सहयोग से आय के साधन बन सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। सफलता के भी योग हैं।

मीन – मन में उतार-चढ़ाव हो सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। भाग-दौड़ भी अधिक रहेगी।

शब्द पहेली - 6224

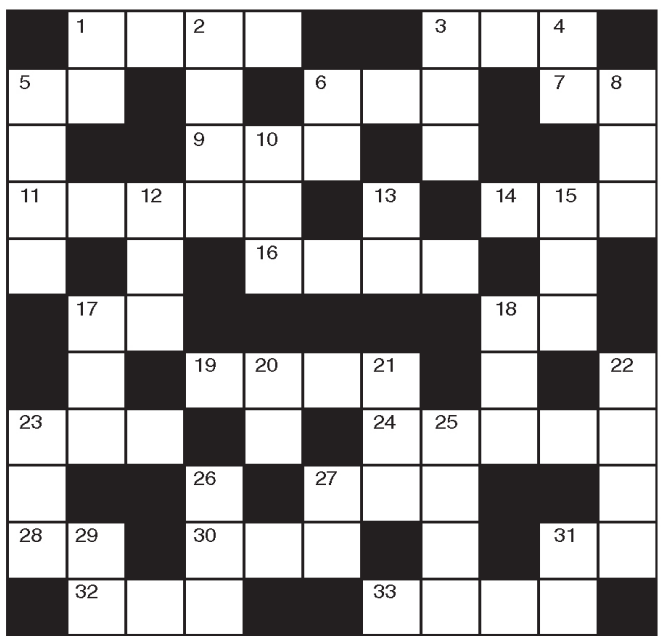

बाएँ से दाएँ
1.महीन व कीमती कपड़ा-4
3.गिरवी रखी वस्तु-3
5.चहा,पेय पदार्थ-2
6.ऐयार,गुप्तचर-3
7.संध्या,सांझ-2
9.रसद,किराणा सामग्री-3
11.करामात,करतब-5
14.विक्रय स्थल-3
16.कलाकार-4
17.चाहत,लगन-2
18.सद्,अच्छा-2
19.लंबा कोट-4
23.पानी की बूंद-3
24.कमर में पहना जाने वाला आभूषण-5
27.लोभ,लालसा-3
28.दौड़ना(अंग्रेजी-2)
30.रेखा,लाइन-3
31.अकुवा,आकड़ा-2
32.अव्यवस्थित भीड़-3
33.अचानक,सहसा-4

ऊपर से नीचे
1.शराब-2
2.सम्राट,शहंशाह-4
3.सांभर जैसा खाद्य-3
4.सरुर, मद-2
5.चापलूस-4
6.प्राण, जीवन तत्व-2
8.चिंतन-3
10.भद्र, कुलीन-3
12.अपराध-3
13.पिता का भाई-2
15.यात्री दल-3
17.प्रेम लगन-3
18.भ्रमर,जलावर्त-3
20.चमड़ी,त्वचा-2
21.अनुकृति-3
22.आर्द्रक-4
23.कटि,मध्यांग-3
25.हठ करना, जिद करना,रोना-4
26.साजन,सनम-3
27.थूक,लेस-2
29.भीगा हुआ-2
31.उम्मीद,आशा-2

शब्द पहेली- 6223 का हल

	स	ह	का	रि	ता		अ	चा	न	क
हा	र		य		ना	वि	क		त	र
थ		त	र	जु	मा		ल	ता		दा
मा	कू	ल			र	थ		क	वि	ता
र		घ		फ	ना		खा		र	
ना	म	र	ख	ना		रा	ज	म	ह	ल
	थ		त		मो	ह		ह		प
क	ना	त		रा	ह			क	पा	ल
र		ना	प		त	म	क	ना		पा
ता	ना		ली	ड	र		थ		का	ना
र	च	यि	ता		मा	ख	न	चो	र	

सूडोकु नवताल 6234

★★★☆☆ मध्यम

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 6233 का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

गुवाहाटी में शपथ ग्रहण समारोह....सरमा ने सीएम पद की ली शपथ

असम में भाजपा ने लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी की

सहयोगी पार्टियां बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट व एजीपी भी मंत्रिमंडल में शामिल की

एजेंसी ▶▶ गुवाहाटी

असम में नए मंत्रिमंडल का शपथग्रहण मंगलवार को हुआ। भाजपा नेता हिमंत बिस्व सरमा ने लगातार दूसरी बार राज्य के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली। उनके साथ 4 और नेताओं ने मंत्री पद की शपथ ली। अन्य जिन नेताओं ने शपथग्रहण में हिस्सा लिया, उनमें भाजपा की सहयोगी पार्टी- बोडोलैंड पीपल्स फ्रंट (बीपीएफ) और असम गण परिषद (एजीपी) के नेता भी शामिल रहे।

इसके अलावा हिमंत कैबिनेट में एक छह बार की महिला विधायक को भी मंत्री पद की शपथ दिलाई गई है। असम में भाजपा ने लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी की है। यह पहली बार नहीं है जब हिमंत ने असम में भाजपा का झंडा बुलंद करने की जिम्मेदारी संभाली और उसे अंजाम तक पहुंचाया। वह ये काम 2016 से ही करते आ रहे हैं। पर, उन्हें मुख्यमंत्री बनने का पहला मौका 2021 में मिला था।

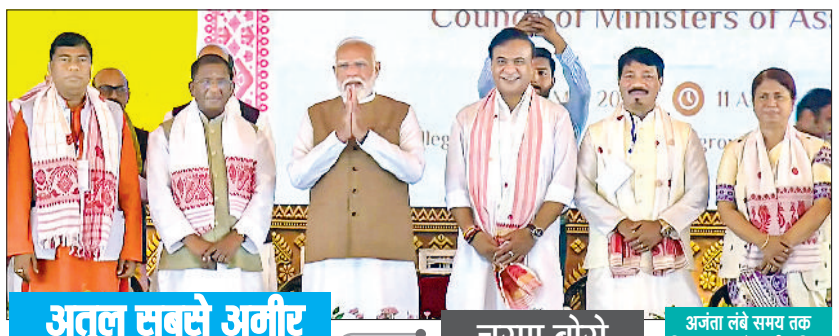

अतुल सबसे अमीर

अतुल बोरा असम के एक प्रमुख नेता और असम गण परिषद (एजीपी) के अध्यक्ष हैं। उनका जन्म 7 अप्रैल 1960 को असम के गोलाघाट जिले के बोराही गांव में हुआ था। बोरा ने 1995 में असम गण परिषद (एजीपी) के कार्यकर्ता के रूप में मुख्यधारा की राजनीति में प्रवेश किया। वे पहली बार 1996 में गोलाघाट से विधायक चुने गए। 2016 से लगातार बोकाखाट निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। उन्होंने सर्बानंद सोनोवाल और सरमा दोनों के मंत्रिमंडलों में कैबिनेट मंत्री के रूप में कार्य किया है। उनके चुनावी हलफनामे के अनुसार, उनकी कुल घोषित संपत्ति लगभग 6.87 करोड़ है।

चरण बोरो

चरण बोरो असम के राजनीतिक दल बोडोलैंड पीपल्स फ्रंट पार्टी के कद्दावर नेता हैं। वे मजबत निर्वाचन क्षेत्र से लगातार तीसरी बार विधानसभा के लिए चुने गए हैं। उन्होंने पिछली सरकार के मंत्रिमंडल में परिवहन मंत्री के रूप में कार्य किया था। 46 वर्षीय चरण के एक उच्च-शिक्षित नेता हैं; उन्होंने 2003 में गुवाहाटी विश्वविद्यालय से गणित में मास्टर डिग्री हासिल की है।

अजंता लंबे समय तक विधायक रहने वाली महिला

अजंता न्योग असम भाजपा का प्रमुख महिला चेहरा हैं। वे राज्य की सबसे लंबे समय तक विधायक रहने वाली महिला और असम की पहली महिला वित्त मंत्री होने का गौरव रखती हैं।

रामेश्वर तेली

रामेश्वर तेली असम में भाजपा के प्रमुख नेता हैं। वे विशेष रूप से असम के चाय बागान समुदाय के एक कद्दावर नेता माने जाते हैं। उनका जन्म 14 अगस्त 1970 को असम के दुलियाजान में हुआ था। उनके पिता का नाम बुधू तेली और माता का नाम दुलका तेली है। पिता ड्राइवर थे और तेली का बचपन काफी संघर्षपूर्ण रहा। किशोरावस्था में वे स्नैक्स के लिए ब्रेड खरीदने हेतु रतालू और फर्न बेचा करते थे।

असम विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष पर संशय

126 सदस्यीय असम असेंबली में इस बार आधिकारिक तौर पर नेता प्रतिपक्ष नहीं हो सकता है। भाजपा और उसके दो क्षेत्रीय सहयोगियों ने मिलकर 102 सीटें जीतीं, जबकि विपक्षी गठबंधन केवल 21 सीटों पर सिमट गया। इनमें कांग्रेस को 19 और राइजोर दल को 2 सीटें मिली हैं। बाकी 3 सीटों में से ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिव फ्रंट को 2 और टीएमसी को 1 सीट मिली, लेकिन ये कांग्रेस-नेतृत्व वाले गठबंधन का हिस्सा नहीं हैं। आम तौर पर किसी विधायक दल को नेता प्रतिपक्ष का दर्जा पाने के लिए सदन की कुल संख्या का कम-से-कम 10% यानी विस में 13 सीटें चाहिए होती हैं। कांग्रेस के पास 19 सीटें हैं, लेकिन अगर विपक्षी दलों की औपचारिक मान्यता या गठबंधन संरचना को लेकर तकनीकी स्थिति स्पष्ट नहीं हुई, तो विस में आधिकारिक नेता प्रतिपक्ष का पद खाली रह सकता है।

शुभेंदु के सहायक हत्याकांड की जांच सीबीआई करेगी

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के पर्सनल असिस्टेंट (पीए) चंद्रनाथ रथ की हत्या मामले की जांच अब सीबीआई करेगी। सीबीआई ने केस अपने हाथ में लेते ही 7 मेंबर्स की स्पेशल इंवेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) बनाई है। टीम की अगुआई डीआईजी रैंक के अधिकारी करेंगे। इस केस में अब तक बिहार और यूपी से 3 आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं। पुलिस ने सोमवार को तीनों को नॉर्थ 24 परगना के बारासात कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें 13 दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया।

भोजशाला मंदिर या मस्जिद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

इंदौर(हरिभूमि न्यूज)। धार भोजशाला मामले में हाईकोर्ट में 6 अप्रैल से चल रही सुनवाई अब पूरी हो गई है। कोर्ट ने सभी पक्षों के तर्कों को सुनने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया है। मंगलवार को हाईकोर्ट में इस केस की अंतिम बहस थी। भोजशाला के मालिकाना हक को लेकर वर्ष 2022 में हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस की तरफ से इंदौर हाईकोर्ट में याचिका लगाई गई थी। विवादित परिसर भोजशाला है या कमाल मौला मस्जिद, इसे तय करने के लिए हाईकोर्ट ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को सर्वे करने के लिए कहा था। एएसआई ने 98 दिनों तक सर्वे कर दो हजार से ज्यादा पन्नों की रिपोर्ट पेश की, जिसमें बताया गया कि भोजशाला एक मंदिर था और उसे 12वीं शताब्दी में बनाया गया था, जबकि मुस्लिम पक्ष ने इस सर्वे पर आपत्ति दर्ज कराई थी।

मादा चीता के साथ शावकों की तस्वीर...एक महीने पहले की

कूनो नेशनल पार्क से आई बुरी खबर

4 चीता शावकों की हुई मौत 11 अप्रैल को हुआ था जन्म

श्योपुर। कूनो नेशनल पार्क से बुरी खबर सामने आई है। यहां पार्क के जंगल में जन्मी मादा चीता केजीपी 12 के चारों शावक मृत पाए गए हैं। मंगलवार की सुबह जब मॉनिटरिंग टीम श्योपुर टेरिटोरियल डिवीजन पहुंची,तब उन्हें डेन साइट (मांद) के पास शावकों के शव मिले। कूनो प्रबंधन के अनुसार शावकों के शव आंशिक रूप से खाए हुए पाए गए हैं। इन शावकों का जन्म 11 अप्रैल 2026 को हुआ था और वे महज एक महीने के थे। मॉनिटरिंग टीम ने 11 मई की शाम को इन्हें अंतिम बार जीवित देखा था।

मांद के पास उनके आंशिक रूप से खाए हुए शव मिले

कूनो प्रबंधन सकते में

2 दिन से कूनो नेशनल पार्क में प्रोजेक्ट चीता को लेकर उत्साह का वातावरण था। 10 मई को मदर्स डे पर मादा चीता व शावकों की शॉर्ट फिल्म जारी की गई थी, फिर 11 मई को सीएम डॉ. मोहन यादव ने बोत्सवाना से लाई गई दो मादा चीताओ को बाड़े से खुले जंगल मे रिलीज किया था, लेकिन इसके अगले 4 शावकों की मौत की खबर ने कूनो प्रबंधन को सकते में ला दिया है।

फ्लोर टेस्ट से पहले विजय को झटका

हाईकोर्ट ने टीवीके विधायक के सदन में जाने पर लगाई रोक

- सुको आज टीवीके विधायक की याचिका पर सुनवाई करेगी

चेन्नई (भाषा)। तमिलनाडु में फ्लोर टेस्ट से पहले विजय को हाईकोर्ट से झटका लगा है। मद्रास उच्च न्यायालय ने मंगलवार को टीवीके विधायक आर श्रीनिवास सेतुपति पर तमिलनाडु विधानसभा में विश्वास मत समेत किसी भी मतदान में हिस्सा लेने पर अंतरिम रोक लगा दी। न्यायमूर्ति एल. विक्टोरिया गौरी और न्यायमूर्ति एन. सेंथिलकुमार की अवकाशकालीन पीठ ने द्रमुक उम्मीदवार के. आर. पेरियाकरुप्पन की याचिका पर यह अंतरिम आदेश पारित किया। पेरियाकरुप्पन 23 अप्रैल को हुए चुनाव में तिरुपत्तुर सीट र सेतुपति से एक वोट से हार गए थे। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि श्रीनिवास सेतुपति किसी अविश्वास प्रस्ताव पर भी मतदान नहीं कर सकेंगे। सी विजय के नेतृत्व वाली टीवीके सरकार मुख्यमंत्री और मंत्रिपरिषद के शपथ ग्रहण के तीन दिन बाद बुधवार को विधानसभा में बहुमत परीक्षण का सामना करेगी।

भारत की मेजबानी में कल से होगी ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों की बैठक

कविता जोशी ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम-एशिया संकट के बीच भारत की राष्ट्रीय राजधानी ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक का आयोजन करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। इस सप्ताह 14 से 15 मई तक यह बैठक भारत मंडपम में होगी। जिसकी अध्यक्षता विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर करेंगे। लेकिन क्या इस बैठक में ईरान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के विदेश मंत्री शामिल होंगे? हरिभूमि के इस प्रश्न के जवाब में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि यह बैठक दो दिवसीय होगी। जिसकी अध्यक्षता भारत के विदेश मंत्री कर रहे हैं। ईरान और यूएई की तरफ से कौन आएगा? इसे लेकर निर्णय संबंधित देशों को करना है।

2006 में हुआ गठन

गौरतलब है कि ब्रिक्स का गठन वर्ष 2006 में हुआ था। उस वक्त रूस, चीन, भारत और ब्राजील ने मिलकर इसकी स्थापना की थी।

मनाली-लेह राजमार्ग 42 दिन बाद बहाल

प्रशासन जल्द ही जवानों, पर्यटकों व सामान्य वाहनों की आवाजाही शुरू करेगा

बीआरओ के जवानों ने 16 हजार फीट ऊंचे बारालाचा पास से बर्फ हटाई, सभी ने सराहा

10 जनपथ में चल रही मैराथन बैठक

केरल सीएम पर सस्पेंस बरकरार अगले 24 घंटे में फैसला संभव

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस आलाकमान केरल के मुख्यमंत्री का नाम तय करने के लिए दिल्ली में विचार-विमर्श का अंतिम दौर जारी है। सूत्रों का कहना है कि दिल्ली के 10 जनपथ मैराथन बैठकें चल रही हैं। केरल कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता राहुल गांधी और केंद्रीय नेतृत्व से मिल चुके हैं। सूत्रों ने ये भी बताया कि पार्टी अगले 24 घंटों के अंदर अंतिम फैसला ले सकती है और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के अंतिम चर्चा में भाग लेने के लिए शाम तक दिल्ली पहुंचने की उम्मीद है, जिसके बाद अंतिम निर्णय पर मोहर लगेगी। फिलहाल केसी वेणुगोपाल इस रेस में सबसे आगे माने जा रहे हैं, लेकिन रमेश चेन्निथला को भी एक सुरक्षित और सर्वसम्मत विकल्प के तौर पर देखा जा रहा है।

रेस में वेणुगोपाल आगे

बताया जा रहा है कि कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल को फिलहाल इस दौड़ में सबसे आगे माना जा रहा है। हालांकि, नेतृत्व के सामने सबसे बड़ी दुविधा ये है कि क्या पार्टी राजनीतिक रूप से इतने महत्वपूर्ण मोड़ पर उन्हें दिल्ली से बाहर भेजने का जोखिम उठा सकती है। वेणुगोपाल संसद के अंदर और संगठन के भीतर दोनों जगह राहुल गांधी के प्रमुख संकटमोचक के रूप में उभरे हैं, जिससे उन्हें विपक्ष के नेता के 'सहायक व्यक्ति' के रूप में मशहूर हैं।

सत्यमेव जयते
ग्रामीण विकास मंत्रालय
भारत सरकार

ग्रामीण रोज़गार की नई गारंटी

विकसित भारत - जी राम जी एक्ट

1 जुलाई, 2026 से पूरे देश में लागू

रोज़गार गारंटी अब पहले से हुई बेहतर

रोज़गार की गारंटी और आजीविका विकास के अवसर

125 दिन का विश्वास
पहले जैसा भरोसा, अब और बढ़ा

मज़दूरी का भुगतान अब 15 दिनों के भीतर

125 दिन की रोज़गार गारंटी
1 जुलाई, 2026 से

जल सुरक्षा एवं जल संबंधी कार्यों को मिलेगा बढ़ावा

गांवों में मज़बूत बुनियादी ढांचे का निर्माण

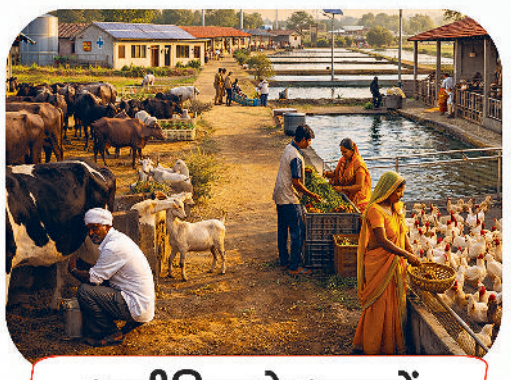

आजीविका के अवसरों का होगा विस्तार

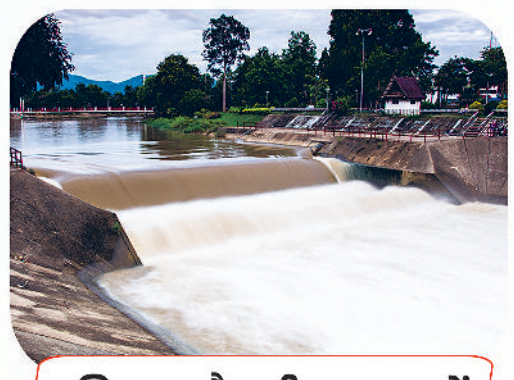

प्रतिकूल मौसमीय घटनाओं से बचाव की तैयारी

CBC 35101/13/0001/2627

रोज़गार से विकसित गांव
और विकसित गांव से विकसित राष्ट्र निर्माण

चिंतन

नीट परीक्षा की शुचिता पर फिर उठे सवाल

मंथन

मनोज कुमार अग्रवाल

देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी 2026 का रद्द होना केवल एक परीक्षा का स्थगन नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था और परीक्षा की शुचिता पर उठा बड़ा सवाल है। हरियाणा के गुरुग्राम, बिहार के नालंदा और राजस्थान के सीकर से सामने आए तथ्यों ने पूरे देश को चौंका दिया। फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी के 300 से अधिक प्रश्न हाथ से लिखे गए एक कथित 'क्वेश्चन बैंक' में मिले, जिनमें से करीब 150 सवाल हूबहू नीट परीक्षा में पूछे गए। यह कोई संयोग नहीं हो सकता। विशेषज्ञ भी मानते हैं कि किसी कोचिंग सामग्री या संभावित प्रश्न बैंक से कुछ प्रश्न मिल जाना सामान्य बात हो सकती है, लेकिन 720 में से लगभग 600 अंकों के प्रश्न एक ही स्रोत से आ जाना सीधे-सीधे संगठित फर्जीवाड़े की ओर इशारा करता है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर देश की सबसे सुरक्षित मानी जाने वाली परीक्षा में यह सेंध लगी कैसे? एनटीए वर्षों से दावा करता रहा है कि परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी निगरानी, बायोमेट्रिक सत्यापन, जीपीएस ट्रैकिंग, एआई-आधारित मॉनिटरिंग और 5जी जैमर जैसी अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। लेकिन जब परीक्षा से पहले ही कथित प्रश्नपत्र व्हाट्सएप ग्रुपों में घूमने लगें, तो यह तकनीकी दावों की पोल खोल देता है। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि खतरा परीक्षा केंद्रों पर बैठा छात्र नहीं, बल्कि वह "घर का भेदी" है जो प्रिंटिंग प्रेस, डेटा सिस्टम या एजेंसी के भीतर बैठकर पूरी व्यवस्था को बेच रहा है। नीट परीक्षा का रद्द होना लाखों छात्रों के लिए मानसिक आघात है। ऐसे विद्यार्थी जिन्होंने दो-दो साल तक कोचिंग में दिन-रात मेहनत की, जिन्होंने परिवार की आर्थिक सीमाओं के बावजूद सपनों को जिंदा रखा, आज वे खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। परीक्षा रद्द होने का अर्थ केवल दोबारा परीक्षा देना नहीं होता; इसका मतलब है तनाव, अवसाद, आर्थिक बोझ और भविष्य की अनिश्चितता। ग्रामीण और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए यह पीड़ा और भी बड़ी है, क्योंकि उनके लिए हर अतिरिक्त महीना आर्थिक दबाव लेकर आता है। यह भी सच है कि इस पूरे भ्रष्ट तंत्र को केवल परीक्षा एजेंसी की कमजोरी ने जन्म नहीं दिया। निजी मेडिकल कॉलेजों की करोड़ों की फीस, कोचिंग उद्योग का अरबों का कारोबार और सरकारी सीटों की सीमित संख्या ने एक ऐसा बाजार खड़ा कर दिया है, जहां सफलता को मेहनत से ज्यादा "मैनेजमेंट" से जोड़कर देखा जाने लगा है। जब एक मेडिकल सीट की कीमत करोड़ों में पहुंच जाती है, तब पेपर लीक माफिया के लिए यह सबसे लाभकारी धंधा बन जाता है। पिछले कुछ वर्षों में लगभग हर बड़ी भर्ती और प्रवेश परीक्षा पर सवाल उठे हैं। कभी एसएससी, कभी रेलवे भर्ती, कभी शिक्षक पात्रता परीक्षा और अब नीट। हर बार जांच समितियां बनती हैं, कुछ गिरफ्तारी होती हैं, लेकिन सिस्टम जस का तस बना रहता है। यदि सरकार वास्तव में परीक्षा माफिया को खत्म करना चाहती है, तो उसे केवल निचले स्तर के दलालों को पकड़ने से आगे बढ़ना होगा। उन अधिकारियों, तकनीकी कर्मचारियों और संस्थागत नेटवर्क तक पहुंचना होगा जो इस पूरे खेल को संरक्षण देते हैं। अब समय केवल बयानबाजी का नहीं, कठोर सुधारों का है। परीक्षा प्रक्रिया को पूरी तरह विकेंद्रीकृत और पारदर्शी बनाना होगा। प्रश्नपत्र निर्माण से लेकर प्रिंटिंग और वितरण तक हर चरण की स्वतंत्र ऑडिटिंग होनी चाहिए। संवेदनशील जिम्मेदारियों में शामिल कर्मचारियों की जवाबदेही तय हो और दोष सिद्ध होने पर कठोर सजा मिले। साथ ही, परीक्षा प्रणाली को तकनीक पर निर्भर बनाने के साथ-साथ मानव निगरानी और नैतिक जवाबदेही भी मजबूत करनी होगी।

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य के अवरुद्ध होने से उत्पन्न वैश्विक ऊर्जा संकट से निपटने में भारत सरकार का कुशल प्रबंधन दुनिया के प्रभावित देशों के लिए एक मिसाल बन गया है, लेकिन मौजूदा समय में अमेरिका और इजराइल-ईरान के बीच जो हालात बने हैं उनसे ऐसा प्रतीत होता है कि फिलहाल होर्मुज स्ट्रेट मार्ग निर्बाध खुलने की संभावना नहीं है, जिसके चलते सरकार को उर्जा संकट से निपटने के लिए मौजूदा संसाधनों की समीक्षा और उर्जा जरूरतों के प्रबंधन की दीर्घकालिक नीति बनानी पड़ रही है। इसलिए पीएम नरेंद्र मोदी ने आमजन से यह सात सूत्रीय अपील की है। जो देश को ऊर्जा संकट से बचा सकती हैं।

नाजुक वक्त में काबिले गौर है पीएम की सलाह

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने हैदराबाद के संबोधन में देशवासियों को ऊर्जा संकट के इस दौर में ऊर्जा सुरक्षा संयमित उपयोग कर कर्तव्य बोध के प्रति जागरूक किया है। पीएम की इस 7 सूत्री अपील में न सिर्फ आम जन के बीच संकट की हालत में मनोबल और विश्वास बने रहने की प्रेरणा है साथ ही संकट से निपटने का मूलमंत्र भी है। सरकार वैश्विक संकट के इस दौर में नागरिकों के लिए सुरक्षा कवच बनकर डटी रही आयातित तेल पर भारी दाम वृद्धि को सरकार ने 24 से 30 रुपये प्रति लीटर भार वहन किया है पैट्रोल पर उत्पाद शुल्क 13 रुपये से घटित कर तीन रुपये लीटर कर दिया, जबकि डीजल पर उत्पाद शुल्क खत्म कर दिया है। आपको पता है कि अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य के अवरुद्ध होने से उत्पन्न वैश्विक ऊर्जा संकट से निपटने में भारत सरकार का कुशल प्रबंधन दुनिया के प्रभावित देशों के लिए एक मिसाल बन गया है लेकिन मौजूदा समय में अमेरिका और इजराइल-ईरान के बीच जो हालात बने हैं उनसे ऐसा प्रतीत होता है कि फिलहाल होर्मुज स्ट्रेट मार्ग निर्बाध खुलने की संभावना नहीं है। जिसके चलते सरकार को उर्जा संकट से निपटने के लिए मौजूदा संसाधनों की समीक्षा और उर्जा जरूरतों के प्रबंधन की दीर्घकालिक नीति बनानी पड़ रही है पूर्व तक यह अनुमान था कि होरमुज मार्ग का विवाद जल्द सुलझ जाएगा और स्थिति पूर्ववत सामान्य हो जाएगी लेकिन अब ऐसा नहीं है।

आपको बता दें कि होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक ऊर्जा व्यापार के लिए सबसे महत्वपूर्ण संकीर्ण मार्ग है, जिससे भारत अपनी 90 फ़ीसदी से अधिक एलपीजी और लगभग 40 फीसदी कच्चा तेल आयात करता है। ऐसी विषम परिस्थितियों में, जब दुनिया भर में ईंधन की भारी कमी और कीमतों में आग लगने का अंदेशा था, भारत सरकार ने दूरदर्शिता, कूटनीतिक कुशलता और त्वरित रणनीतिक निर्णयों से देश में ऊर्जा की सुव्यवस्था बनाए रखी बल्कि आम जनता पर बढ़ी कीमतों का भार भी नहीं बढने दिया। संकट का संकेत मिलते ही भारत सरकार ने आत्मनिर्भर भारत के विजन को क्रियान्वित करते हुए न केवल वैकल्पिक स्रोत तलाशे बल्कि घरेलू संसाधनों को भी मजबूत किया। भारत सरकार के कुशल प्रबंधन और कूटनीतिक संबंधों की बदौलत देश ने उस समय भी डीजल पेट्रोल और एलपीजी की कोई दिक्कत नहीं होने दी जब की देशों में बेहद परेशानी और किल्लत खड़ी हो गई थी स्पेन मिस्र श्रीलंका दक्षिण कोरिया फिलीपींस जापान पाकिस्तान बांग्लादेश आदि में वहां की सरकारों ने ईंधन राशनिंग, वर्क फ्रॉम होम, फ्यूल पास, स्कूल बंद जैसे अनेक प्रतिबंध भरे कदम उठाए लेकिन भारत सरकार की सूझ-बूझ और प्लानिंग के चलते ईंधन राशनिंग नहीं हुई, स्कूल बसों, वाहनों व परिवहन यातायात की गाड़ियों को मांग के अनुरूप फ्यूल मिलते रहने से कोई स्कूल बंदी नहीं हुई और न ही कोई दफ्तर बन्द करने पड़े। तमाम दफ्तर सामान्य तौर पर कार्यरत रहे जिससे कोई वर्क-फ्रॉम-होम निर्देश पारित करने की नौबत नहीं आने पाई। देश भर में खुदरा ईंधन की स्थिर आपूर्ति बनाए रखी गई। यह सब त्वरित सरकारी हस्तक्षेप से संभव हो पाया है। एलपीजी और घरेलू आपूर्ति संरक्षण व्यवधान के 8 दिनों के भीतर सरकार ने एलपीजी नियंत्रण आदेश जारी किया रिफाइनरियों को एलपीजी उत्पादन अधिकतम करने का निर्देश दिया गया। घरेलू

एलपीजी उत्पादन को 36,000 टन प्रति दिन से बढ़ाकर 54,000 टन प्रतिदिन कर दिया गया जो लगभग 50 फीसद की वृद्धि है। 9 दिनों के भीतर प्राकृतिक गैस आपूर्ति विनियमन आदेश जारी किया गया। पीएनजी घरेलू उपभोक्ताओं और सीएनजी सार्वजनिक परिवहन को 100 फीसदी आवंटन के साथ संरक्षित किया गया। सरकार द्वारा सार्वजनिक आपूर्ति बनाए रखने के लिए औद्योगिक आवंटन को भी सुचारू और युक्तिसंगत बनाए रखा। भारत सरकार द्वारा रूस, संयुक्त राज्य अमेरिका, पश्चिम बंगाल, अफ्रीका, अटलांटिक बेसिन से त्वरित संपर्क स्थापित कर ईंधन आपूर्ति की व्यवस्था की गई। भारत में एलपीजी की मांग लगभग 90,000 टन की प्रतिदिन की है जिसे वैकल्पिक ईंधन के इस्तेमाल के माध्यम से 70 से 75000 टन प्रतिदिन कर दिया गया है। भारत में घरेलू उत्पादन बढ़कर 54000 टन प्रतिदिन होने से शेष आयात की आवश्यकता घटकर 20,000 टन प्रतिदिन की रह गई है। सरकार द्वारा आठ लाख टन कार्गो पहले ही सुरिक्षत किए जा चुके हैं, जिससे आज हमारे पास चालीस दिनों का अग्रिम भंडार उपलब्ध है। सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती घरेलू रसोई गैस की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करना था। इस कठिन समय में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा की गई पहल के तहत, सरकार ने पनामा नहर जैसे वैकल्पिक रास्तों का उपयोग करते हुए अमेरिका, रूस, ऑस्ट्रेलिया और पश्चिम अफ्रीका से तेल और गैस आयात के लिए वैकल्पिक इंतजाम किए। इसके साथ ही, सरकार ने देश के रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार का बुद्धिमानी से उपयोग किया, जो भारत को अल्पावधि के लिए वैश्विक आपूर्ति झटकों से बचाते हैं। सरकार के इस कदम ने न केवल बाजार को स्थिरता प्रदान की, बल्कि ईंधन की कीमतों में अत्यधिक उछाल को रोकने में भी मदद की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, भारत ने पश्चिम एशियाई देशों, विशेषकर सऊदी अरब, यूएई और ईरान के साथ निरंतर कूटनीतिक संवाद बनाए रखा इस के चलते होर्मुज संकट के बावजूद भारतीय जहाजों की सुरक्षित आवाजाही बनी रहे। भारत की कूटनीतिक सक्रियता का ही परिणाम था कि ईरान ने सशर्त रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य को खुला रखने पर सहमति व्यक्त की, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति में पूरी तरह से ठहराव की स्थिति टल गई। संकट काल में सरकार ने नवीकरणीय ऊर्जा के मोर्चे पर भी बड़ी सफलता हासिल की। भारत ने 2030 के लक्ष्य से पहले ही, 2026 में अपनी गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से स्थापित बिजली क्षमता का 50 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त कर लिया। यह न केवल पर्यावरण के अनुकूल है, बल्कि जीवाश्म ईंधन पर हमारी निर्भरता को कम कर ऊर्जा सुरक्षा को दीर्घकालिक मजबूती प्रदान करता है। सरकार को देश की प्रगति यानी जीडीपी की रफ्तार की गति बनाये रखने के लिए किसी दीर्घकालिक रणनीति के अवलम्बन की आवश्यकता होगी हाल ही मे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण उत्पन्न वैश्विक ऊर्जा विदेशी मुद्रा और आर्थिक संकट से निपटने के लिए देशवासियों से कई महत्वपूर्ण अपीलें कीं। मौजूदा संकट से निपटने के लिए प्रधानमंत्री ने मुख्य सुझाव दिया है। पीएम ने नागरिकों से पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने और सार्वजनिक परिवहन मैट्रो सिटी बस या इलेक्ट्रिक वाहनों का अधिक उपयोग करने को कहा।विदेशी मुद्रा भंडार बचाने के लिए, पीएम ने देशवासियों से कम से कम एक साल तक सोना न खरीदने की अपील की।उन्होंने कोरोनकाल की तरह ही 'वर्क फ्रॉम होम' की व्यवस्था फिर से अपनाने को कहा, ताकि यात्रा कम हो और ईंधन बचे। यह न सिर्फ जरूरी है वरन देश के हर नागरिक को सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर संकट से निपटने का संकल्प भी पैदा करने का प्रयास है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

नीट परीक्षा

बाल मुकुन्द ओझा

सपने व हौसले तोड़ रहीं पेपर लीक की घटनाएं

देशभर में परीक्षाओं में पेपर लीक के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। पेपर लीक किसी राज्य विशेष का मामला नहीं है, अपितु यह देश की युवा आबादी के भविष्य से जुड़ा ज्वलंत विषय है। आज प्रतियोगी और भर्ती परीक्षाओं में शुचिता बनाए रखना किसी कठिनतम चुनौती से कम नहीं है। सरकारी नौकरी पाने का सपना हर शिक्षित युवा देखता है। इसके लिए वह सालों तक कड़ी मेहनत और रात दिन पढ़ाई करके परीक्षा में इस उम्मीद और विश्वास से बैठता है कि उसे सफल होना है, लेकिन पेपर लीक की घटनाएं ऐसे अभ्यर्थियों का सपना और हौसला तोड़ देती हैं। पेपर लीक के कारण आयोग्य उम्मीदवार बाजी मार कर शासनतंत्र का हिस्सा बन जाता है। भर्ती परीक्षाओं में सरकारी लापरवाही का खामियाजा बेरोजगारों को वर्षों से भुगतना पड़ रहा है। ताज़ा प्रकरण नीट यूजी 2026 परीक्षा से जुड़ा सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पेपर लीक और परीक्षा में अनियमितताओं के आरोपों के बीच राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) ने 3 मई 2026 को आयोजित नीट-यूजी 2026 परीक्षा को रद्द कर दिया है। केंद्र सरकार ने मामले की सीबीआई जांच के आदेश दिए हैं। 22 लाख से अधिक कैंडिडेट्स ने एग्जाम दिया था। राजस्थान के सीकर से नीट यूजी 2026 पेपर लीक का मामला सामने आया है। जांच में सामने आया कि इस गेस पेपर के कई सवाल असली परीक्षा से मिल रहे थे। बताया जा रहा है कि 720 नंबर की परीक्षा में करीब 600 नंबर के सवाल पहले से छात्रों तक पहुंच गए थे। यह कथित क्वेश्चन बैंक एक एमबीबीएस छात्र ने अपने दोस्त को भेजा था, जिसके बाद यह अलग-अलग लोगों तक फैल गया। राजस्थान एसओजी ने इस मामले में एक्शन लेते हुए देहरादून, सीकर और झुंझुनू से 13 संदिग्धों को हिरासत में लिया है। इससे पूर्व साल 2021 की सब-इंस्पेक्टर और प्लाटून कमांडर भर्ती परीक्षा को राजस्थान हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया था। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने भी इस फैसले को बरकरार रखा। कोर्ट ने माना कि भर्ती प्रक्रिया में बड़े स्तर पर धांधली और सिस्टमेटिक पेपर लीक हुआ था। मामले में राजस्थान लोक सेवा आयोग यानी आरपीएससी के एक सदस्य की गिरफ्तारी भी हुई थी। अब ये परीक्षा दोबारा करवाई जा रही है। इसी बीच नीट पेपर लीक मामले को लेकर देशभर में भारी हंगामा मच गया है। परीक्षा रद्द होने के बाद छात्रों का गुस्सा और बढ़ गया है। प्रदर्शन और आंदोलन भी शुरू हो गया है। नेताओं ने बयान बाजी शुरू कर दी है। अच्छे भविष्य के लिए लाखों युवाओं के लिए सरकारी नौकरियां किसी सपने से कम नहीं होती। सालों की मेहनत करने के बाद मिलने वाला एक मौका उनकी जिंदगी बदल सकता है। लेकिन क्या हो जब उनकी मेहनत पर पेपर लीक का दाग लग जाए? पेपर लीक की इस महामारी में सरकारी कर्मचारी शिक्षक अपराधी माफिया, कोचिंग सेंटर, आदि शामिल हैं। विभिन्न प्रदेशों में दर्जनों संगठित गिरोह सक्रीय है जिन्होंने पेपर लीक का ठेका ले रखा है। इन गैंगों ने मोटी राशि वसूलकर पेपर बेचने का आपराधिक कार्य किया। अनेक सरगना और और परीक्षार्थी पुलिस की पकड़ में है जिनसे गहरी पूछताछ की जा रही है। पेपर लीक की समस्या से जूझ रहे कई राज्यों में से राजस्थान भी एक है। राजस्थान में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक होने का सिलसिला कई सालों से चल रहा है। पिछले कांग्रेस शासनकाल में यह कार्य धड़ल्ले से चला। पेपर लीक प्रदेश के युवाओं के लिए अभिशाप बन गया है। इससे न सिर्फ भविष्य निर्माण के कीमती वर्ष बर्बाद हो रहे हैं बल्कि उनके परिवारों पर भी आर्थिक और मानसिक बोझ पड़ रहा है। प्रदेश में पेपर लीक होने की घटनाएं बढ़ती जा रही है। जिस वजह से एग्जाम को रद्द करना पड़ता है और ऐसे छात्रों के भविष्य पर भी असर पड़ता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इससे पूर्व आरएस भर्ती 2013 में प्री-एग्जाम का रिजल्ट आने के बाद पता चला कि पेपर पहले ही बाहर था, जिसकी वजह से पूरी परीक्षा रद्द हुई। कांस्टेबल भर्ती 2018 और 2022 दोनों ही बार पुलिस की अपनी ही परीक्षा का पेपर लीक हुआ था। जेईएन सिविल भर्ती 2020 में पेपर लीक का मामला इतना बढ़ा कि बोर्ड के अध्यक्ष को अपने पद से इस्तीफा तक देना पड़ गया था। लाइब्रेरियन भर्ती 2018 में नकल गिरोह के तार शेखावाटी तक फैले मिले और परीक्षा को बीच में ही निरस्त करना पड़ा। एलडीसी भर्ती 2013 में पेपर आउट होने की वजह से जो भर्ती चंद महीनों में होनी थी, उसे पूरा होने में 3 साल लग गए। आरपीएमटी 2014 में सवालों में भारी गड़बड़ी और लीक के आरोपों के बाद इस मेडिकल एंट्रेंस एग्जाम को भी रद्द करना पड़ा था।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

अनासक्त हुए बिना करे दूसरों की भलाई

संकलित

दर्शन

यह सोचना भूल है कि हमने संसार का भला किया। इस विचार से दुख उत्पन्न होता है। हम किसी की सहायता करने के बाद सोचते हैं कि वह हमें इसके बदले में धन्यवाद दे, पर वह धन्यवाद नहीं देता, तो हमें दुख होता है। हम जो कुछ भी करें, उसके बदले में किसी चीज की आशा क्यों रखें? बल्कि उल्टे हमें उसी के प्रति कृतज्ञ होना चाहिए, जिसकी हम सहायता करते हैं, उसे साक्षात नारायण मानना चाहिए। मनुष्य की सहायता द्वारा ईश्वर की उपासना करना क्या हमारा परम सौभाग्य नहीं है? यदि हम वास्तव में अनासक्त हैं, तो हमें यह प्रत्याशा जनक कष्ट क्यों होना चाहिए? अनासक्त होने पर तो हम प्रसन्नतापूर्वक संसार में भलाई कर सकते हैं। अनासक्त किए हुए कार्य से कभी भी दुख अथवा अशांति नहीं आएगी। यदि हम यह जान लें कि आसक्ति रहित होकर किस तरह कर्म करना चाहिए, तभी हम दुराग्रह और मतांधता से परे हो सकते हैं। जब तुम दुराग्रह और मतांधता से परे हो जाओगे, तभी अच्छी तरह कार्य कर सकोगे। जो ठंडे मस्तिष्क वाला और शांत है, जो उत्तम ढंग से विचार करके कार्य करता है, जिसके स्नायु सहज ही उत्तेजित नहीं होते तथा जो अत्यंत प्रेम और सहानुभूति संपन्न है, केवल वही व्यक्ति संसार में परोपकार कर सकता है और इस तरह वह अपना भी कल्याण कर सकता है। यह संसार चरित्र गठन की एक विशाल व्यायामशाला है। इसमें हम सभी को अभ्यास रूप में कसरत करनी पड़ती है, जिससे हम आध्यात्मिक बल से अधिकाधिक बलवान बनते रहें।

दो अनमोल हीरे

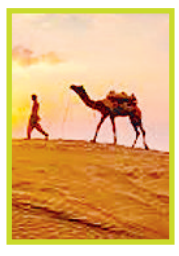

संकलित

प्रेरणा

एक व्यापारी को बाज़ार में घूमते हुए एक बहुत अच्छी नस्ल का ऊंट दिखाई पड़ा। व्यापारीव्यापारी ऊंट खरीद कर घर ले आया। घर पहुँचने पर व्यापारी ने अपने नौकर को ऊंट का कजावा (काठी) निकालने के लिए बुलाया। कजावे के नीचे नौकर को एक छोटी सी मखमल की थैली मिली जिसे खोलने पर उसे कीमती हीरे जवाहरात भरे होने का पता चला। नौकर चिल्लाया, मालिक आपने ऊंट खरीदा, लेकिन देखो, इसके साथ क्या मुफ्त में आया है। व्यापारी बोला- मैंने ऊंट ख़रीदा है, न कि हीरे, मुझे उसे तुरंत वापस करना चाहिए। नौकर बोला- मालिक किसी को पता नहीं चलेगा। पर, व्यापारी ने एक न सुनी और वह तुरंत बाज़ार पहुंचा और दुकानदार को मख़मली थैली वापिस दे दी। ऊंट बेचने वाला बहुत ख़ुश था। अब आप इनाम के तौर पर कोई भी एक हीरा चुन लीजिए। व्यापारी बोला- मैंने ऊंट के लिए सही कीमत चुकाई है इसलिए मुझे किसी शुक्राने और उपहार की जरूरत नहीं है। अंत में व्यापारी ने मुस्कुराते हुए कहा- जब मैंने थैली वापस लाने का सोचा तो मैंने पहले से ही दो सबसे कीमती हीरे इसमें से अपने पास रख लिए थे। इस कबूलनामें के बाद ऊंट बेचने वाला भड़क गया उसने अपने हीरे जवाहरात गिनने के लिए थैली को तुरंत खाली कर लिया। पर वह था बड़ी पशोपेश में बोला- मेरे सारे हीरे तो यहीं है, तो सबसे कीमती दो कौन से थे जो आपने रख़ लिए? व्यापारी बोला- मेरी ईमानदारी और मेरा आत्म सम्मान। जिस-जिस के पास यह 2 हीरे है वह दुनियां के सबसे अमीर व्यक्ति हैं।

अंतर्मन

आज की पाती

पश्चिम बंगाल में हिंसा क्यों

हाल ही में पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव परिणाम आया है, और इसके बाद यहां हिंसा का सिलसिला शुरू हो गया। चुनाव के बाद यहां हिंसा का सिलसिला पुराना है, वर्ष 2011, 18, 19, 21 और अब 2026 के विधानसभा चुनाव के बाद भी ऐसा हो रहा है। इस हिंसा का कारण कहीं हारे हुए राजनीतिक दलों का बौखलाना तो नहीं? अगर ऐसा है तो यह सरासर गलत है और लोकतंत्र को कलंकित करने वाला है। लेकिन सवाल तो यह है कि इतनी सुरक्षा के बाद भी यहां हिंसा क्यों हो रही है? यहां से समय-समय पर हिंसा की ऐसी खबरें सुर्खियों में आती हैं जो लोकतंत्र को कटघरे में खड़ा करती हैं, साथ ही वहां की कानून व्यवस्था की भी पोल खोलती हैं। इस हिंसा पर त्वरित रूप से रोक लगनी चाहिए। - *प्रवीण अग्रवाल, जींद*

ट्रेंड

हिमंत व मंत्रियों को शुभकामनाएं

मैं असम के मुख्यमंत्री का पदभार ग्रहण करने पर हिमंत विश्व सरमा को और मंत्रियों के रूप में शपथ ग्रहण करने पर रामेश्वर तेली, अतुल बोरा, चरण बोरो और अजंता नियोग को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। भाजपा की डबल इंजन की सरकार असम के विकास में कोई कमी नहीं छोड़ेगी।
-**जेपी नड्डा,** केंद्रीय मंत्री

युवाओं के सपने कुचले

नीट 2026 की परीक्षा रद्द हो गई। 22 लाख से ज़्यादा छात्रों की मेहनत, त्याग व सपनों को इस भ्रष्ट भाजपाई व्यवस्था ने कुचल दिया। लाखों बच्चों ने रात-रात भर जागकर पढ़ाई की और बदले में मिला-पेपर लीक, सरकारी लापरवाही व शिक्षा में संगठित भ्रष्टाचार। -**राहुल गांधी,** कांग्रेस सांसद

विश्वास पर बड़ा आघात

जब परीक्षाओं की शुचिता से समझौता होता है, तो यह केवल एक चूक नहीं, बल्कि उन लाखों अभ्यर्थियों के साथ विश्वासघात है जिन्होंने अनुशासन के साथ पढ़ाई की, सुख-सुविधाओं का त्याग किया और तैयारी के लिए रातों की नींद गंवाई।
-**नवीन पटनायक,** नेता प्रतिपक्ष, ओडिशा

निजी स्कूल मनमानी न करें

निजी स्कूलों को फीस संरचना का पूरा विवरण सार्वजनिक करना होगा। फीस और अन्य शुल्कों में मनमानी तथा अनुचित वृद्धि पर पूरी तरह रोक रहेगी। अभिभावकों को परेशानी नहीं आने दी जाएगी। वर्दी और किताब किसी भी दुकान से खरीद सकेंगे।
-**सम्राट चौधरी,** सीएम बिहार

करंट अफेयर

अब कैमरून करेंगे 'फेमा' का नेतृत्व

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कैमरून हैमिल्टन को संघीय आपात प्रबंधन एजेंसी (फेमा) का नेतृत्व करने के लिए नामित किया। पूर्व नौसेना सील हैमिल्टन की यह एक आश्चर्यजनक वापसी है। उन्हें पिछले साल फेमा के अस्तित्व का बचाव करने के बाद इसके कार्यवाहक प्रमुख के पद से बर्खास्त कर दिया गया था। उन्हें नामित करने के साथ ही ट्रंप प्रशासन ने फेमा को भंग करने के अपने वादों से पीछे हटने के संकेत देना शुरू कर दिया है। फेमा एक ऐसी एजेंसी है जिसकी राष्ट्रपति द्वारा कड़ी आलोचना की गई है।

हैमिल्टन ने तर्क दिया था कि फेमा को समाप्त करना देश के हित में नहीं है और अब उन्हें नामित किया जाना इस बदलाव के नवीनतम संकेत हैं। हैमिल्टन की नियुक्ति हो जाने के बाद वह ट्रंप और आपात प्रबंधन पर गृह सुरक्षा सचिव मार्कवेन मुलिन के मुख्य सलाहकार होंगे तथा ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में फेमा के पहले स्थायी प्रशासक होंगे। ट्रंप ने सोमवार को ही डेविड कमिंस को परिवहन सुरक्षा प्रशासन (टीएसए) का प्रमुख नामित किया। कर्मचारियों को वेतन नहीं मिलने के कारण टीएसए को पिछले कुछ महीनों से उथल-पुथल का सामना करना पड़ रहा है और देश भर के हवाई अड्डों पर सुरक्षा कतारें लंबी होती जा रही हैं।

ऑफ बीट

'डिजिटल डिटॉक्स' क्या है, क्या इससे सेहत बेहतर हो सकती है

क्या आप हर समय स्क्रीन देखते रहते हैं? आज के समय में ईमेल भेजने से लेकर खाना ऑर्डर करने तक, लगभग हर काम के लिए लोग तकनीक पर निर्भर हैं। लेकिन लगातार ऑनलाइन जुड़े रहना शारीरिक और मानसिक थकान का कारण बन सकता है।

इसी वजह से कुछ लोग डिजिटल डिटॉक्स अपना रहे हैं। इसका मतलब है एक निश्चित अवधि तक मोबाइल फोन, सोशल मीडिया और अन्य डिजिटल उपकरणों से दूरी बनाना। यह अवधारणा ऑनलाइन तेजी से लोकप्रिय हो रही है। इसके समर्थक एनालॉग लाइफस्टाइल के स्वास्थ्य लाभों का प्रचार कर रहे हैं। कुछ लोग बेहतर स्वास्थ्य और खुशी पाने के उद्देश्य से महंगे डिजिटल रिट्रीट कार्यक्रमों में भी हिस्सा ले रहे हैं। हालांकि सवाल यह है कि क्या 'डिजिटल डिटॉक्स' वास्तव में असरदार है या सेहत की बात करने वाला एक और चलन भर है। इसी तरह डिजिटल डिटॉक्स का उद्देश्य तकनीक से कुछ समय के लिए दूरी बनाना, कम व्यवधानों के साथ जीवन का अनुभव करना और ऑफलाइन रिश्तों को मजबूत करना है। ऑस्ट्रेलिया में युवा औसतन रोजाना नौ घंटे स्क्रीन देखते हैं। शोध बताते हैं कि वयस्क भी इससे बहुत पीछे नहीं हैं। 45 से 64 वर्ष आयु वर्ग के ऑस्ट्रेलियाई प्रतिदिन करीब छह घंटे स्क्रीन पर बिताते हैं।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड,
रोहतक-124001 फोनः 9253681019-20
ई-मेल : haribhoomi@gmail.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

शबनीम इस्माइल ने की संन्यास से वापसी

महिला टी20 विश्व कप

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

महिला टी20 विश्व कप 2026 के लिए दक्षिण अफ्रीका ने अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। लौरा वोल्वार्ड्ट की कप्तानी में घोषित टीम में 37 साल की शबनीम इस्माइल को जगह मिलना चौंकाने वाला है। शबनीम को विश्व कप की टीम में जगह देना क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका का एक चौंकाने वाला फैसला है।

दक्षिण अफ्रीका ने 2023 में संन्यास ले चुकीं 37 साल की तेज गेंदबाज शबनीम इस्माइल को टी20 विश्व कप 2026 की टीम में जगह दी है। इसके लिए शबनीम को संन्यास तुड़वाकर वापसी कराई गई है।

विश्व कप 12 जून से

विश्व कप 12 जून से 5 जुलाई तक इंग्लैंड में खेला जाएगा। दक्षिण अफ्रीका ग्रुप 1 में शामिल है। इस ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, भारत, नीदरलैंड, और पाकिस्तान शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका 13 जून को मैनचेस्टर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा।

दुनिया की बड़ी लीग में लगातार सक्रिय शबनीम

शबनीम इस्माइल को दक्षिण अफ्रीका टीम में जगह देने की कई वजहें हैं। पहला, इस्माइल बेशक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेल रही हैं, लेकिन दुनिया की बड़ी लीग में लगातार सक्रिय हैं। वह संन्यास के बाद से महिला बिग बैश लीग, महिला कैरेबियन प्रीमियर लीग और महिला द हंड्रेड में 92 टी20 मैच खेल चुकी हैं। इस वजह से उनके पास फॉर्म और फिटनेस दोनों है। दूसरा, वह दक्षिण अफ्रीका की सफल और बेहतरीन तेज गेंदबाज रह चुकी हैं। उन्होंने 113 मैचों में 123 विकेट लिए हैं। विश्व कप इंग्लैंड में होने वाला है। वहां शबनीम की गति और अनुभव टीम के काम आ सकता है। इसी वजह से दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट बोर्ड ने उन्हें संन्यास से वापसी कराते हुए टीम में जगह दी है।

न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम पर जुर्माना

एजेंसी ▶▶ दुबई

इंग्लैंड और न्यूजीलैंड की महिला क्रिकेट टीमों के बीच 3 वनडे मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला रविवार को खेला गया था। मैच के दौरान न्यूजीलैंड की तरफ से ओवर फेंकने की गति धीमी रही। इस वजह से टीम पर जुर्माना लगाया गया है। समय की छूट को ध्यान में रखने के बाद अमेलिया केर की कप्तानी वाली न्यूजीलैंड एक ओवर पीछे रही थी। इस वजह से टीम पर मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ मैच रेफरी की हेलेन पैक ने यह सजा सुनाई। आईसीसी ने कहा, खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायता कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार खिलाड़ियों पर उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। यह हर उस ओवर के लिए जो उनकी टीम निर्धारित समय में नहीं फेंक पाती है। न्यूजीलैंड की टीम निर्धारित समय पर एक ओवर पीछे रही थी, इसलिए 5 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। कप्तान केर ने अपराध स्वीकार कर लिया और प्रस्तावित सजा मान ली।

- इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में धीमी गति से ओवर फेंकने का मामला

आईपीएल: सुदर्शन-सुंदर के अर्धशतक, रबाडा और होल्डर को 3-3 विकेट

सनराइजर्स को हराकर लगातार पांचवीं जीत के साथ गुजरात टाइटंस शीर्ष पर

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
गुजरात	12	8	4	16
बेंगलुरु	11	7	4	14
हैदराबाद	12	7	5	14
पंजाब	11	6	4	13
चेन्नई	11	6	5	12
राजस्थान	11	6	5	12
दिल्ली	12	5	7	10
कोलकाता	10	4	5	9
मुंबई	11	3	8	6
लखनऊ	11	3	8	6

ऑरेंज कैप

हेनरिक क्लासेन
508 रन
हैदराबाद

पर्पल कैप

भुवनेश्वर कुमार
21 विकेट
बेंगलुरु

एजेंसी ▶▶ अहमदाबाद

गुजरात टाइटंस ने बेहतरीन हरफनमौला प्रदर्शन करते हुए सनराइजर्स हैदराबाद को मंगलवार को 82 रन से हराकर लगातार पांचवीं जीत के साथ आईपीएल अंकतालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। साइ सुदर्शन और वॉशिंगटन सुंदर के अर्धशतकों से गुजरात ने पांच विकेट पर 168 रन बनाये। जवाब में सनराइजर्स हैदराबाद 14.5 ओवर में 86 रन पर आउट हो गए। कैगिसो रबाडा ने शीर्ष क्रम की बखिया उधेड़ते हुए 28 रन देकर तीन विकेट लिये जबकि जैसन होल्डर ने 20 रन देकर तीन विकेट चटकाये। इस जीत के साथ गुजरात 12 मैचों में 16 अंक लेकर शीर्ष पर है जबकि सनराइजर्स 12 मैचों में 14 अंक लेकर तीसरे स्थान पर हैं। गत चैम्पियन आरसीबी 11 मैचों में 14 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। जीत के लिये 169 रन के लक्ष्य के जवाब में सनराइजर्स ने सात विकेट 60 रन पर गंवा दिये थे। रबाडा ने अपने चार ओवर में तीन विकेट चटकाते हुए सनराइजर्स को लगातार झटके दिये। वहीं मोहम्मद सिराज ने पहला ओवर ही मैडन डालते हुए ट्रेविस हेड का अहम विकेट लिया जिन्होंने निशांत सिंधू को आसान कैच थमाया। सिराज ने तीन ओवर में सिर्फ 11 रन देकर एक विकेट लिया। अभिषेक शर्मा (छह) को भी रबाडा ने ही रवाना किया। चौथे ओवर में ईशान किशन (11) ने विकेट के पीछे कैच थमाया।

- हैदराबाद को 82 रन से हराया

कैगिसो बने मैन आफ द मैच

गुजरात-168/5 (20)	
खिलाड़ी	रन
साइ सुदर्शन का हिंगे बो हुसैन	61
शुभमन गिल का क्लासेन बो हिंगे	5
जोस बटलर का ईशान को हिंगे	7
निशांत का क्लासेन बो कमिंस	22
सुंदर का ईशान को साकिब	50
जैसन होल्डर नाबाद	11
राहुल तेवतिया नाबाद	4
अतिरिक्त : चार रन	
योग : 20 ओवर में पांच विकेट पर 168 रन	
विकेट पतन : 1-15, 2-26, 3-64, 4-124, 5-164	
गेंदबाजी: कमिंस 4-0-20-1, रेड्डी 3-0-27-0, हिंगे 3-0-17-2, मलिंगा 4-0-46-0, हुसैन 4-0-37-2, शिवांग 2-0-19-0	

हैदराबाद-86/10 (14.5)	
खिलाड़ी	रन
ट्रेविस हेड का सिंधू बो सिराज	0
अभिषेक शर्मा बो रबाडा	6
ईशान का बटलर बो रबाडा	11
रविचंद्रन का गिल बो रबाडा	9
क्लासेन का बटलर बो होल्डर	14
सलिल का बटलर बो कृष्णा	16
नीतिश रेड्डी का सुंदर बो होल्डर	2
पैट कमिंस का सिराज बो कृष्णा	19
शिवांग का बटलर बो होल्डर	4
प्रफुल्ल स्ट बटलर बो राशिद	3
एशान मलिंगा नाबाद	0
अतिरिक्त : दो रन	
योग : 14.5 ओवर में 86 रन	
विकेट पतन : 1-0, 2-6, 3-23, 4-32, 5-56, 6-56, 7-60, 8-72, 9-82	
गेंदबाजी : सिराज 3-1-11-1, रबाडा 4-0-28-3, होल्डर 4-0-20-3, कृष्णा 3-0-23-2, राशिद 0.5-0-3-1	

नाइट राइडर्स के बॉलिंग ब्रिगेड से टकराएगी आरसीबी की बैटिंग आर्मी

रायपुर। प्लेऑफ की दहलीज पर खड़ी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम को अगर अंतिम चार में अपनी जगह लगभग सुनिश्चित करनी है तो उसके बल्लेबाजों को बुधवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के गेंदबाजों के सामने आक्रामक प्रदर्शन करना होगा। आरसीबी फिलहाल 14 अंकों के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर है, लेकिन मंगलवार को होने वाले मैच के बाद इस स्थान पर सनराइजर्स हैदराबाद या गुजरात टाइटन्स काबिज हो जाएंगे, जिनके पास भी 14 अंक हैं। आरसीबी ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन पिछले कुछ मैच में उसके बल्लेबाज अपेक्षित खेल नहीं दिखा पाए। मुंबई इंडियंस के खिलाफ पिछले मैच में 167 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए उसकी बल्लेबाजी लड़खड़ा गई थी और उसने बमुश्किल जीत हासिल की थी। उसकी टीम आगे फिर से इस तरह की परिस्थिति से नहीं गुजरना चाहेगी।

- आज शाम 7.30 बजे से मुकाबला

आईसीसी महिला वनडे रैंकिंग

चार्ली डीन और अमेलिया केर ने लगाई लंबी छलांग

एजेंसी ▶▶ दुबई

इंग्लैंड की चार्ली डीन और न्यूजीलैंड की कप्तान अमेलिया केर को वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में शानदार प्रदर्शन का इनाम आईसीसी की ताजा वनडे रैंकिंग में मिला है। इंग्लैंड टीम की कप्तानी संभाल रहीं चार्ली डीन ने पहले वनडे में बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने बल्लेबाजी में 46 गेंदों में 31 रनों की दमदार पारी खेली और वह टीम को जीत दिलाकर लौटीं। वहीं, गेंदबाजी में उन्होंने 7 ओवर के स्पेल में महज 21 रन खर्च करते हुए 2 विकेट चटकाए। गेंदबाजों की रैंकिंग में डीन अब छह पायदान की छलांग लगाकर 10वें नंबर पर आ गई हैं। वहीं, ऑलराउंडर्स की लिस्ट में भी उनको एक पायदान का फायदा पहुंचा है और वह अब 11वें स्थान पर आ गई हैं।

मैडी सातवें नंबर पर पहुंची

अमेलिया केर और उनकी टीम की साथी खिलाड़ी मैडी ग्रीन ने वनडे में बल्लेबाजों की ताजा रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाई है। पहले वनडे में 88 रनों की पारी खेलने वालीं ग्रीन दो पायदान ऊपर चढ़कर सातवें नंबर पर पहुंच गई हैं। वहीं, अर्धशतकीय पारी के बूते केर ने चार पायदान की छलांग लगाई है और वह अब 11वें नंबर पर आ गई हैं।

खबर संक्षेप

विरोध प्रदर्शन के कारण हुआ नुकसान : पूनिया

गोंडा। एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता दीपक पूनिया का मानना है कि जंतर-मंतर पर पहलवानों के विरोध प्रदर्शन से जो व्यवधान पैदा हुआ उससे भारत के कई खिलाड़ियों का करियर प्रभावित हुआ, जिसमें वह खुद भी शामिल हैं। दीपक ने कहा कि पहलवानों के विरोध प्रदर्शन के बाद भारतीय कुश्ती में अनिश्चितता के लंबे दौर ने खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में खेलने का अवसर नहीं मिला, जिससे उन्हें काफी नुकसान हुआ। दीपक ने कहा, 'विरोध प्रदर्शन और

सात्विक-चिराग की जोड़ी ने किया विजयी आगाज

बैंकॉक। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी ने थाईलैंड ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट के पुरुष युगल के पहले दौर के मुकाबले में मंगलवार को इंडोनेशिया के मोह पुत्रा एरवियांस्याह और बागास मौलाना की जोड़ी को शिकस्त दी। विश्व रैंकिंग में चौथे पायदान पर काबिज भारतीय जोड़ी ने 64 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले को 21-19, 21-23, 21-10 से जीतकर अगले दौर में प्रवेश कर लिया। भारतीय जोड़ी शुरुआती गेम में एक समय 11-16 से पीछे चल रही थी। उन्होंने इसके बाद लगातार सात अंक जीतकर मुकाबले में वापसी की। इंडोनेशियाई खिलाड़ियों ने वापसी करते हुए स्कोर 18-18 कर दिया, लेकिन सात्विक और चिराग ने दबाव में बेहतरीन खेल दिखाते हुए पहला गेम अपने नाम किया।

लक्ष्य फाइनल में, चार मुक्केबाजों को कांस्य

ताशकंद। भारत के लिये एशियाई अंडर 17 मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में मंगलवार का दिन चुनौतीपूर्ण रहा जब लक्ष्य फोगाट अकेले फाइनल में पहुंचे जबकि चार अन्य मुक्केबाजों को सेमीफाइनल में हारने के बाद कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। 75 किलोवर्ग में लक्ष्य ने कोरिया के सियुंगमिन ली को 5.0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। सेमीफाइनल में नरेंद्र नेल्ला (46 किलो) को उजबेकिस्तान के अब्दुल्लाह नूरालीव ने 5.0 से हराया। यश यादव (50 किलो) को मंगोलिया के एस उसुखबातार ने 4.1 से मात दी जबकि निवेश पाल 54 किलोवर्ग में उजबेकिस्तान के अब्दुलबोसित युर्सुनबोएव से 5.0 से हार गए। नमन (70 किलो) को उजबेकिस्तान के अब्दुवोहिद अब्दुमाजिदोव ने 3.2 से हराया।

धीमी ओवर गति पर अक्षर पर गिरी गाज, लगा 12 लाख का जुर्माना

धर्मशाला। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल पर इंडियन प्रीमियर लीग में पंजाब किंग्स के खिलाफ अपनी टीम की जीत के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। अक्षर और डेविड मिलर के अर्धशतकों की मदद से दिल्ली कैपिटल्स ने इस मैच में पंजाब किंग्स को तीन विकेट से हराकर प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी धुंधली उम्मीदों को बरकरार रखा।

आईपीएल के अनुसार, 'दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल पर हिमाचल प्रदेश क्रिकेट संघ स्टेडियम, धर्मशाला में पंजाब किंग्स के खिलाफ आईपीएल के मैच के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए जुर्माना लगाया गया है।' इसमें आगे कहा गया है, 'धीमी ओवर गति से संबंधित आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत यह उनकी टीम का इस सत्र का पहला अपराध था इसलिए अक्षर पटेल पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया।' दिल्ली की टीम अंक तालिका में अभी सातवें स्थान पर है। उसका अगला मैच रविवार को नई दिल्ली में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होगा।

टेस्ट सीरीज: बांग्लादेश से बुरी तरह हारा पाकिस्तान, नजमुल की शानदार बल्लेबाजी

एजेंसी ▶▶ ढाका

बांग्लादेश ने पाकिस्तान के खिलाफ शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में खेले गए पहले टेस्ट मैच को 104 रन से अपने नाम किया। दोनों पारियों में शानदार बल्लेबाजी के लिए बांग्लादेशी कप्तान नजमुल हुसैन शांतो को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

इस जीत के साथ मेजबान टीम ने दो मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली है। सीरीज का अगला मैच 16 मई से सिलहट में खेला जाएगा। बांग्लादेश के पास पहली पारी के आधार पर 27 रन की बढ़त थी। अगली पारी में मेजबान टीम ने 9 विकेट खोकर 240 रन बनाए और पाकिस्तान को जीत के लिए 268 रन का लक्ष्य दिया। बांग्लादेश की तरफ से इस पारी में कप्तान नजमुल ने सर्वाधिक 87 रन बनाए, जबकि मोमिनुल हक ने 56 रन का योगदान दिया। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तानी टीम दूसरी पारी में महज 163 रन पर सिमट गई।

पहली पारी में बांग्लादेश ने बनाए 413 रन

मुकाबले में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी बांग्लादेशी टीम पहली पारी में 413 रन पर सिमट गई। इस पारी में कप्तान नजमुल हुसैन ने 2 छक्कों और 12 चौकों के साथ 101 रन की पारी खेली, जबकि मोमिनुल हक ने 91 रन टीम के खाते में जोड़े। मुशफिकुर रहीम ने 71 रन का योगदान दिया। विपक्षी खेमे से मोहम्मद अब्बास ने सर्वाधिक 5 विकेट हासिल किए, जबकि शाहीन अफरीदी ने 3 विकेट निकाले। हसन अली और नोमान अली को 1-1 विकेट हाथ लगा।

टॉटेनहम और यूनाइटेड के बीच मुकाबला रहा ड्रॉ

लंदन। फुटबॉल प्रीमियर लीग में टॉटेनहम हॉटस्पर और लीड्स यूनाइटेड के बीच खेला गया मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहा। इस ड्रॉ के साथ ही टॉटेनहम 38 अंकों के साथ 17वें नंबर पर आ गया है। वहीं, लीड्स यूनाइटेड 14वें स्थान पर है। फ्रांसीसी फुटबॉलर मैथिस टेल पहले मुकाबले में हीरो बने, लेकिन उन्होंने अपनी गलती से टीम के लिए परेशानी भी खड़ी कर दी। टेल ने मैच के 50वें मिनट में पहला गोल दागा और टॉटेनहम को 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि, इसके कुछ देर बाद ही उन्होंने अपने ही बॉक्स में गेंद को खतरनाक तरीके से क्लियर करने का प्रयास किया और इसी कोशिश में उनका पैर एथन अमपाडू को लग गया। वीएआर जांच के बाद लीड्स यूनाइटेड को पेनल्टी मिल गई, जिसका पूरा फायदा इंग्लिश फुटबॉलर कैल्वर्ट लेविन ने उठाया। लेविन ने मैच के 74वें मिनट में हाथ आए मौके को भुनाया और स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया।

पूर्व रेलवे

खुली निविदा सूचना सं.: टीआरडी-डब्ल्यूसी-टी-2026-27-05, दिनांक: 11.05.2026, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा ख्यातिप्राप्त निविदाकारों जिनके पास वैध विद्युत ठेकेदार का लाइसेंस एवं सुपरवाइजरी लाइसेंस है और निम्नलिखित कार्य को करने में वित्तीय रूप से सक्षम हैं, से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा केस सं. :टीआरडी-डब्ल्यूसी-टी-2026-27-05, कार्य का नाम: आसनसोल मंडल: एंटी-क्लाइंबिंग डिवाइस, एंटी-बर्ड डिस्क, डबल कॉन्टैक्ट वायर आदि के प्रावधान द्वारा ओएचई की विश्वसनीय का सुधार एवं अन्य विश्वसनीयता सुधार के उपाय। निविदा मूल्य: रु. 4,14,10,029.94, बयाना राशि: रु. 8,28,200/-, कार्य की समापन अवधि : स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से 12 (बारह) माह। कार्य के लिए प्रस्ताव की वैधता: खुलने की तिथि से 60 दिन। खुलने की तिथि और समय : दिनांक 12.06.2026 को 15.00 बजे। संपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट: www.ireps.gov.in में देखा जा सकता है।

ASN-71/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट: www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

सिनर और एरीना का पुरस्कार राशि बढ़ाने के अभियान को पेगुला का समर्थन

खिलाड़ियों के हक की लड़ाई में आगे आईं जेसिका

एजेंसी ▶▶ रोम

पुरुष एवं महिला वर्ग में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर और एरीना सबालेंका का टेनिस टूर्नामेंट विशेषकर ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिताओं की पुरस्कार राशि बढ़ाने के अभियान को जेसिका पेगुला का भी समर्थन मिला है, जो खिलाड़ियों को इस मामले में एकजुट करने की भूमिका निभा रही हैं। यूएस ओपन 2024 की उपविजेता पेगुला के लिए यह स्वाभाविक है, क्योंकि वह खेल प्रबंधकों के परिवार में पली-बढ़ी हैं। उनके माता-पिता एनएफएल की बफेलो बिल्स और एनएचएल की बफेलो सेब्रस के मालिक हैं।

- खिलाड़ियों को कर रहीं एकजुट

पुरस्कार राशि के मुद्दे पर कर रहीं काम

पेगुला ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह शायद स्वाभाविक रूप से हो जाता है क्योंकि मुझे लगता है कि मैंने इसमें कुछ हद तक नेतृत्व की भूमिका निभाई है।' पेगुला को इस साल महिला टेनिस कैलेंडर, रैंकिंग अंकों के नियमों और कुछ स्पर्धाओं में भाग लेने की योग्यता तय करने के लिए गठित किए गए 13 सदस्यीय पैनल का नेतृत्व करने के लिए नामित किया गया था। अब वह पुरस्कार राशि के मुद्दे पर भी काम कर रही हैं।

मुझे कोई झिझक नहीं

पेगुला ने कहा, 'मुझे किसी भी खिलाड़ी के पास जाकर यह पूछने में कोई झिझक नहीं है कि 'क्या आप इसमें दिलचस्पी रखते हैं या नहीं।' कुछ खिलाड़ियों को परवाह नहीं होती और वे इसको लेकर चिंतित नहीं होते। कभी-कभी वे कहते हैं, 'हां, मैं पूरी तरह से तैयार हूं।' मैं पुरुष और महिला दोनों वर्ग के खिलाड़ियों से संपर्क कर रही हूं।'

खिलाड़ियों की मांग महत्वपूर्ण

पेगुला ने कहा, 'आखिर में खिलाड़ियों की मांग महत्वपूर्ण होती है। एरीना और यानिक को इस मामले में खुलकर बोलते हुए देखना अच्छा लगा। मैं जानती हूं कि कई अन्य खिलाड़ी भी ऐसा ही महसूस करते हैं। लेकिन जब विश्व के दोनों नंबर एक खिलाड़ी इस पर खुलकर बोलते हैं, तो उनकी बात सुननी ही पड़ती है।' एनएफएल और एनएचएल में खिलाड़ियों को राजस्व का लगभग 50 प्रतिशत मिलता है वहीं अधिकतर टेनिस प्रतियोगिताओं में यह आंकड़ा इससे आगे से भी कम है। खिलाड़ियों ने पिछले सप्ताह जो बयान जारी किया था उसके अनुसार फ्रेंच ओपन में खिलाड़ियों को कथित तौर पर 14.9 प्रतिशत से भी कम हिस्सा दिया जा रहा है।

उत्तर रेलवे

ई-नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/एफ.एस., उत्तर रेलवे, अंबाला मंडल आईआरईपीएस वेबसाइट पर ई-नीलामी लीजिंग के माध्यम से अंबाला मंडल के अंतर्गत विभिन्न मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में ब्रेक के एस.एल.आर./एस.एल.आर.डी. डिब्बों में पार्सल स्पेस (4/3.9 टन) के लीज अनुबंध हेतु निविदाएँ आमंत्रित करते हैं। निम्नलिखित-: विवरणानुसार, निविदा आमंत्रित की जाती हैं

क्र0	नीलामी केटलाग सं.	नीलामी शुरू होने की दिनांक एवं समय	नीलामी समाप्त होने की दिनांक एवं समय
1.	UMB-SLR05-A2026 (08 लॉट)	20.05.2026/12:00	20.05.2026/13:40
क्र०	ट्रेन सं०	से-तक	कम्पार्टमेंट
1.	15744	BTI-BLGT	RSLR-I
2.	14218	CDG-PYGS	FSLR-I
3.	20990	CDG-UDZ	FSLR-I
4.	22710	AADR-NED	FSLR-I
5.	14522	UMB-DLI	FSLR-I
6.	19308	UHL-INDB	FSLR-I
7.	22686	CDG-YPR	RSLR-I
8.	14218	CDG-PYGS	RSLR-I

ई-नीलामी में भाग लेने या ई-नीलामी प्रक्रिया से संबंधित किसी भी अन्य जानकारी के लिए इच्छुक बोलीदाताओं को www.ireps.gov.in वेबसाइट पर जाने की सलाह दी जाती है।

1585/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

खबर संक्षेप

मालदीव की विदेश मंत्री इरुथिशम पहुंची भारत

नई दिल्ली। मालदीव गणराज्य की विदेश मंत्री इरुथिशम एडम तीन दिवसीय आधिकारिक दौरे पर मंगलवार शाम 5 बजकर 20 मिनट पर इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर भारत पहुंची। भारतीय विदेश मंत्रालय ने बताया कि एडम 12-14 मई तक भारत में होंगी। बुधवार शाम 4 बजे हैदराबाद हाउस में उनकी विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर से मुलाकात होगी। इसके बाद इसी दिन यानी 13 मई को वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के साथ वाणिज्य भवन में अहम बैठक होगी।

थाईलैंड घूमने गए 5 भारतीयों में से 1 की मौत

फुकेट। थाईलैंड के फुकेट घूमने गए 4 भारतीय नागरिक एक कैफे में भोजन के दौरान अचानक बेहोश हो गए। इस घटना में एक भारतीय पर्यटक की मौत हो गई है, जबकि तीन अन्य का अस्पताल में उपचार चल रहा है। थाईलैंड स्थित भारतीय दूतावास ने घटना की पुष्टि की है। वहीं, भारतीय दूतावास ने एक्स पर लिखा, दूतावास थाई अधिकारियों के संपर्क में है और घटना पर करीब नजर रख रहा है, जिसमें 9 मई 2026 को फुकेट में चार भारतीय पर्यटक बेहोश हो गए थे और बाद में उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान की मदद करने पर भारत का चीन पर तंज

हमें पहले से ही पता था, नई रिपोर्ट से हमारी जानकारी सच साबित हुई

आतंकी ढांचे को बचाने की कोशिश करने वाले देशों की छवि हो रही धूमिल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को कथित समर्थन देने के मुद्दे पर चीन को कड़ा संदेश दिया है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा कि जो देश खुद को जिम्मेदार मानते हैं, उन्हें यह सोचना चाहिए कि आतंकवादी ढांचे को बचाने की कोशिशों का उनकी अंतरराष्ट्रीय साख और प्रतिष्ठा पर क्या असर पड़ता है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को नई दिल्ली में आयोजित साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान यह टिप्पणी की। उनसे चीन के उस बयान को लेकर सवाल पूछा गया था, जिसमें पहली बार यह स्वीकार किया गया कि मई 2025 में भारत के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उसने पाकिस्तान को जमीनी स्तर पर सहायता प्रदान की थी।

रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत का ऑपरेशन सिंदूर पूरी तरह 'सटीक, लक्षित और संतुलित' कार्रवाई थी। इसका एकमात्र मकसद पाकिस्तान की जमीन पर चल रहे आतंकवाद के ढांचे को पूरी तरह से नष्ट करना था।

ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्री पीएम से करेंगे मुलाकात

भारत-नेपाल के बीच सांस्कृतिक और व्यापारिक रिश्ते

रणधीर जायसवाल, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता

जिम्मेदार देशों को अपने गिरेबान में झांकना चाहिए

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने चीन का बिना नाम लिए उस पर सीधा और करारा प्रहार किया है। रणधीर जायसवाल ने सख्त लहजे में कहा कि जो देश खुद को बहुत जिम्मेदार मानते हैं, उन्हें अपने गिरेबान में झांकना चाहिए।

13 भारतीय जहाज फारस की खाड़ी में फंसे

विदेश मंत्रालय ने बताया कि 11 भारतीय समुद्री जहाज इस खतरनाक रास्ते से सुरक्षित बाहर निकल चुके हैं। हालांकि, स्थिति अभी भी पूरी तरह से सामान्य नहीं हुई है। ऐसा इसलिए है क्योंकि 13 अन्य भारतीय जहाज अब भी उसी क्षेत्र यानी फारस की खाड़ी में मौजूद हैं और अपनी आगे की सुरक्षित यात्रा के लिए इंतजार कर रहे हैं।

नेपाल ने दिया भारतीय विदेश मंत्री को आने का न्योता

बांग्लादेश के साथ रिश्ते सुधर रहे

बांग्लादेश को लेकर भारत ने साफ कर दिया है कि दोनों देशों के रिश्ते बहुत ही अच्छी और सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। जायसवाल ने बताया कि हमारी सरकार बांग्लादेश के साथ रिश्तों को बहुत अहमियत देती है। उन्होंने याद दिलाया कि कुछ समय पहले ही बांग्लादेश के विदेश मंत्री ने भारत का एक अहम दौरा किया था। इसके अलावा, जब हाल ही में बांग्लादेश में चुनाव हुए और वहां एक नई सरकार बनी, तो उसके शपथ ग्रहण समारोह और जश्न में भारत की तरफ से एक स्पीकर ने भी खास तौर पर हिस्सा लिया था। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि भारत और बांग्लादेश के बीच वर्तमान में यही सकारात्मक स्थिति बनी हुई है। भारत सरकार अपने इस अहम पड़ोसी देश के साथ लगातार अच्छे और मजबूत संबंध बनाए रखने की दिशा में बहुत तेजी से काम कर रही है।

यूएन में गणित की प्रदर्शनी में बोले जयशंकर

आज के तकनीकी युग की बुनियाद बनने वाला कोड भारत ने सदियों पहले खोजा

एजेंसी ▶▶ न्यूयॉर्क

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने गणित में भारतीय सभ्यता के योगदान को दर्शाने वाली एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक प्रगति की वैश्विक कहानी को लंबे समय तक एक संकीर्ण नजरिये से देखा गया है। अब इतिहास को लेकर गलत धारणाओं को सुधारने की जरूरत है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन की ओर से 'शून्य से अनंत- गणित में भारतीय सभ्यता का योगदान' के नाम से यह प्रदर्शनी आयोजित की गई है। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) ने इसे इंडिया इंटरनेशनल सेंटर के सहयोग से आयोजित किया है। जयशंकर ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

बौद्धिक जड़ें भारत की धरती में

जयशंकर ने कहा कि यहां मौजूद लोग केवल दीवार पर लिखे अंकों को नहीं देख रहे हैं, बल्कि उस सभ्यता को देख रहे हैं, जिसकी बौद्धिक जड़ें भारत की धरती में हैं। यह केवल अतीत की नहीं, बल्कि भविष्य की भी विरासत है। तकनीक के लोकतंत्रीकरण के साथ-साथ इतिहास का लोकतंत्रीकरण भी जरूरी है। जब तक अतीत की गलत धारणाओं को ठीक नहीं किया जाएगा, तब तक भविष्य की चुनौतियों को सही तरीके से नहीं समझा जा सकेगा। यह प्रदर्शनी दर्शकों को हजारों वर्षों की यात्रा पर ले जाती है, जहां वे देख सकते हैं कि भारतीय सभ्यता से निकली गणितीय खोजें किस तरह दुनिया में फैलीं और आज भी आधुनिक जीवन को प्रभावित कर रही हैं। जयशंकर ने कहा कि गणित के वैश्विक प्रसार की कहानी आपसी जुड़ाव की कहानी है। लेकिन हर विचार की शुरुआत कहीं न कहीं से होती है। आज के तकनीकी युग की बुनियाद बनने वाला कोड भारत में सदियों पहले ही सोचा जा चुका था।

क्रूज जहाज में स्पेन का यात्री हंटा वायरस से संक्रमित मिला

द हेग। हंटा वायरस की वजह से सुर्खियों में आए क्रूज जहाज से निकाले गए स्पेन के एक यात्री के वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। स्पेन के स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को यह घोषणा की। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि अब तक नौ मामलों की पुष्टि हुई है। क्रूज पर तीन की मौत हो गई है। हंटा वायरस से संक्रमित यह यात्री मैड्रिड के एक सैन्य अस्पताल में पृथकवास में है जहां 13 अन्य स्पेनिश नागरिक भी पृथकवास में हैं। इन सभी 13 लोगों की वायरस जांच रिपोर्ट 'निगेटिव' आई है। सभी यात्रियों और चालक दल के कई सदस्यों को सुरक्षित उतार लिये जाने के बाद, एमवी होंडियस जहाज अब नीदरलैंड वापस लौट रहा है, जहां इसकी सफाई की जाएगी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक टेड्रोस अधानोम घेब्रेयेसस ने मैड्रिड में कहा कि 11 पुष्ट मामलों में से सभी 'एमवी होंडियस क्रूज' जहाज के यात्री या चालक दल के सदस्य हैं। नौ मामलों की पुष्टि 'एंडीज वायरस' के रूप में हुई है। हंटा वायरस के दो संदिग्ध मामले सामने आए हैं, लेकिन उनकी पुष्टि नहीं हुई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक ने कहा कि कई देशों की सरकारों और साझेदारों के प्रयासों के कारण पिछले सप्ताह इन आंकड़ों में मामूली बदलाव आया है। फिलहाल, ऐसा कोई संकेत नहीं है कि हम किसी बड़े प्रकोप की शुरुआत देख रहे हैं, लेकिन निश्चित रूप से स्थिति बदल सकती है और वायरस के संक्रमण के बाद लक्षण दिखने तक का समय लंबा होने के मद्देनजर, यह संभव है कि आने वाले हफ्तों में हमें और अधिक मामले देखने को मिलें।

संक्रमितों की संख्या अब हुई नौ

रिपोर्ट में बड़ा खुलासा

मिडिल-ईस्ट जंग में यूएई की एंट्री, ईरानी रिफाइनरी पर अटैक

वाशिंगटन। ईरान के खिलाफ युद्ध में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने अमेरिका और इजरायल की सैन्य मदद की है। संयुक्त अरब अमीरात ने ईरान पर सैन्य हमले किए हैं। ये तब किया गया, जब ईरान पर अमेरिका और इजरायल हमले कर रहे थे। हालांकि यूएई ने अभी तक सार्वजनिक रूप से ईरान पर हमले करने की बात स्वीकार नहीं की है। यूएई ने अप्रैल में लावान द्वीप पर ईरान की तेल रिफाइनरी पर भीषण अटैक किया था। अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अपनी रिपोर्ट में यह खुलासा किया है। यूएई के विदेश मंत्रालय और पेंटागन ने इस रिपोर्ट पर कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है।

छत्तीसगढ़ में दिल दहला देने वाला हादसा

पाइप लाइन का चल रहा था काम, धंसी मिट्टी, तीन दबे

बालोद। छत्तीसगढ़ के दल्लीराजहरा के फुटबॉल ग्राउंड के पास निर्माण कार्य के दौरान मिट्टी धंसने से 3 मजदूर नाली में दब गए। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, तीनों मजदूरों की मौत की आशंका जताई जा रही है। पुलिस के अनुसार बीएसपी की सीवरेज पाइपलाइन विस्तार परियोजना के तहत कार्य चल रहा था। इस दौरान जेसीबी और चेन माउंट मशीन की मदद से खुदाई की जा रही थी। अचानक मिट्टी धंसने से वहां काम कर रहे मजदूर मलबे में दब गए। मृतकों में बैसाखिन बाई, किशुन सोरी की पहचान हुई है। तीसरे की पहचान नहीं हुई।

म्यूल खातों पर लगेगी रोक, आई4सी-आरबीआईएच के बीच एमओयू

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्रालय के तहत कार्यरत भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) और रिज़र्व बैंक इनोवेशन हब (आरबीआईएच) ने साइबर-सक्षम वित्तीय धोखाधड़ियों से निपटने और बैंकिंग तथा डिजिटल भुगतान इकोसिस्टम में म्यूल खातों पर लगाम लगाने के लिए सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। गृह मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान जारी कर इसकी जानकारी हैं। इस एमओयू का उद्देश्य धोखाधड़ी-जोखिम खुफिया जानकारी साझा करने, विश्लेषणात्मक सहायता और परिचालन समन्वय के क्षेत्रों में सहयोग को सुविधाजनक बनाना है, ताकि धोखाधड़ी की पहचान सक्रिय रूप से पहले ही हो सके और ऐसी धोखाधड़ी की रोकथाम के तंत्र को मजबूत किया जा सके।

ईरानी विमानों को पाक ने एयरबेस में दी जगह, पहले माना, अब इनकार

एजेंसी ▶▶ इस्लामाबाद

उपग्रह तस्वीर में दिखे ईरानी विमान

अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के बीच पाकिस्तान ने एक अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट को सिरे से खारिज कर दिया है। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि पाकिस्तान ने अपने एयरबेस पर ईरानी सैन्य विमानों को खड़ा होने की अनुमति दी थी, ताकि उन्हें संभावित अमेरिकी हवाई हमलों से बचाया जा सके।

खाड़ी युद्ध के बाद वैश्विक बाजारों में कई गुना बढ़ गई हैं कीमतें

उर्वरक सब्सिडी पर भारी दबाव में है सरकार

सेंट्रल डेस्क ▶▶ रोहतक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को किसानों से उर्वरकों का इस्तेमाल घटाने व जैविक उर्वरकों का इस्तेमाल करने का आह्वान किया था। असल में ईरान पर अमेरिका और इजराइल द्वारा फरवरी के अंत में किए गए संयुक्त सैन्य हमलों ने ऊर्जा बाजारों से कहीं आगे तक झटके पैदा किए और वैश्विक वस्तु व्यापार, विशेषकर उर्वरकों की आपूर्ति को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। भारत अपनी यूरिया की 25%, फॉस्फेट की 90% और पोटाश की पूरी आवश्यकता के लिए आयात पर निर्भर है। किसानों को वैश्विक कीमतों में उतार-चढ़ाव से बचाने के लिए भारतीय सरकार इन आवश्यक कृषि इनपुट्स की कीमतों पर कड़ा नियंत्रण रखती है। इसके अलावा यूरिया निर्माण में प्रयुक्त प्राकृतिक गैस भी मुख्यतः खाड़ी देशों से आयात की जाती है। फिलहाल सरकार का कहना है कि आगामी खरीफ कृषि मौसम के लिए उर्वरकों का पर्याप्त भंडार मौजूद है। उम्मीद है कि अमेरिका और ईरान जल्द ही किसी समझौते पर पहुंच जाएंगे। मौजूदा स्थिति एक बार फिर यह दिखाती है कि प्रमुख वस्तुओं और ईंधनों की वैश्विक आपूर्ति में व्यवधानों के प्रति भारत कितना संवेदनशील है। यह एक ऐसी कमजोरी है जिसे लगातार आने वाली सरकारें दूर करने में विफल रही हैं। वैश्विक बाजारों में उर्वरकों की कीमतों में तेज उछाल आया है।

उर्वरक बाजार

- **81%** तक बढ़ गई है यूरिया की कीमत केवल दो महीनों में
- **6-12%** वृद्धि का अनुमान लगाया है विश्व बैंक ने 2026 में प्रमुख उर्वरकों की कीमतों में
- **78%** पोटाश की आपूर्ति कुछ ही देश करते हैं, बाकी सभी आयात पर निर्भर
- **2021-2022** के ऐतिहासिक उच्च स्तरों से अभी भी कम है वर्तमान बढ़ोतरी

भारत की आयात निर्भरता

भारत अपनी उर्वरक आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात करता है, सरकार का कहना है कि घरेलू आपूर्ति पर बहुत कम असर पड़ा है। 4 मई को सरकार ने कहा कि संकट शुरू होने के बाद से 16.7 लाख टन उर्वरक भारतीय बंदरगाहों तक पहुंच चुका है। यह मात्रा मार्च-अप्रैल 2025 के आयात से 13% कम थी। फिर भी आयात पर निर्भरता गंभीर बनी हुई है। विश्व बैंक की 2024 की एक रिपोर्ट के अनुसार पश्चिम एशिया वैश्विक यूरिया निर्यात का लगभग एक-चौथाई और अमोनिया निर्यात का 15% हिस्सा रखता है, जिसका उपयोग यूरिया उत्पादन में होता है। भारत की खाड़ी देशों पर निर्भरता विशेष रूप से अधिक है।

सब्सिडी का बढ़ता बोझ

केंद्र सरकार कीमतें नहीं बढ़ा रही है, लेकिन आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए वैश्विक बाजारों पर निर्भर है। इससे खरीद लागत बढ़ना लगभग तय है, क्योंकि कई देश एक ही आपूर्ति के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। ऐसे में इसका बोझ सामान्यतः सरकार के उर्वरक सब्सिडी बिल पर पड़ता है।

आगे की चुनौती

वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत का उर्वरक सब्सिडी बजट 1.7 लाख करोड़ रुपये रखा गया है और इसके इससे अधिक होने की संभावना है। जब अमेरिका-ईरान युद्ध शुरू हुआ, तो 17 सूचीबद्ध उर्वरक कंपनियों का संयुक्त बाजार पूंजीकरण 26 फरवरी से 9 मार्च के बीच 13% गिर गया। यदि युद्ध लंबा खिंचता है, तो स्थिति और कठिन हो सकती है।

खाड़ी और भारत का उर्वरक आयात
30% यूरिया
30% डीएपी मांग
50% एलएनजी

सरकार की रणनीति

सरकार उर्वरक आयात को खाड़ी देशों से हटाकर रूस, मोरक्को, ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, मलेशिया, जॉर्डन, कनाडा, अल्जीरिया, मिस्र और टोगो जैसे देशों की ओर विविधीकृत करने का प्रयास कर रही है। हाल के हफ्तों में कई वैश्विक निविदाएं जारी की गई हैं। 24 अप्रैल को सरकार ने 19 लाख टन विभिन्न प्रकार के उर्वरकों और कच्चे माल की आपूर्ति के लिए वैश्विक निविदा जारी की। आगामी खरीफ बुवाई मौसम को देखते हुए सरकार के सामने बड़ी चुनौती है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 4 मई तक खरीफ मौसम के लिए कुल उर्वरक आवश्यकता 3.9 करोड़ टन है। इसमें से मौजूदा भंडार लगभग 2 करोड़ टन है, जो कुल आवश्यकता का लगभग आधा है। सरकार का कहना है कि यह औसत 33% स्तर से काफी अधिक है और पिछले वर्ष की तुलना में भी बेहतर स्थिति में है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक देवेन्द्र सिंह द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड़, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 से प्रकाशित। संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। RNI No. 63924/1996, फोन : 9253681019-20, फैक्स : 274202, e-mail : rohtak@haribhoomi.com, rohtakharibhoomi@gmail.com
Postal Regd. No. P/RTK/389/2026-28